GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0611**

Classification:

Original File No.

Title

Board of Evangelian & Literature

Volume:

Running **from year: 1969** **till year:**

Content:

- Message of the Director for 2nd November, Mission Festival.
- Appeal of Director, Regarding Evangelism Prayer and Fund Raising.

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी बिभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पौल सिंह

1.95
1.15
3.10

24

641

5.62

173 ~~(1)~~ 176	4	2		.08
177 (18)	1	.10	10	.10
178 (8)	1	.05	.05	.05
179 – 224	46	.02		.92
225 (6)	1	.05	05	.05
226 – 234	9	.02		.18
235 (4)	1	.05	05	.05
236 – 237	2	.02		.04
238 – (6)	1	.10	10	.10
239 – 244	6	.02		.12
245 – (6)	1	.10	10	.10
246 – 247	2	.02		.04
248 (5)	1	.05	05	.05
249 (1)	1	.02		.02
250 (17)	1	.05	05	.05
251 – 268	18	.02		.36
269 (10)	1	.10	10	.10
270 – 362	93	.02		1.86
~~308 – 333~~				
308(A,B,C,D,E)	5	.02		.10
363 – 370	8	.02		.16
371 (5)	1	.05	05	.05
372 – 376	15	.02		.30
377 (12)	1	.10	10	.10
378 (1)	1	.02		.02
379 (5)	1	.05	05	.05
380 – 381	2	.02		.04
382 ~~(6)~~ 383 (6)	2	.10	20	.20
384 – 401	18	.02		.36
402 (6)	1	.10	10	.10
403 – 435	33	.02	1.15	.66

3.26?

641 9.88

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलुस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्बाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

104
67
37

812-~~809~~ 821 — 10 — .02 = .20 ✓

1 - 11 — 11 — .02 — .22 ✓ 2.20

12 (22) — 1 — .10 — 10 — .10

13 (40) — .08 ✓ .80

14-17 — 4 — .02 — 10 — .10 1.15

18 (14) — 1 — .10 — 1.95

19-49 — 31 — .02 — .62 ✓

50-51 — 2 — .18 — 20 — .20

52 — 1 — .05 — 05 — .05 ✓

530 — .02 — .02 ✓

54 — 1 — .05 — 05 — .05

55-63 — 9 — .02 — .18 ✓

64 (10) — 1 — .10 — 10 — .10

650 — 1 — .02 — .02 ✓

66 (31) — 2 — .10 — 20 — .20

67 - 104 — 38 — .02 — .76 ✓

105 (3) — 1 — .05 — 05 — .05 ✓

106 - 113 — 8 — .02 — .16 ✓

114-115 (3) — 1 — .05 — 05 — .05

116 - 122 — 7 — .02 — .14 ✓

123 - 131 — 9 — .02 — .18 ✓

132 (4) — 1 — .05 — 05 — .05

133 (1) — 1 — .02 — .02 ✓

134 (10) — 1 — .10 — 10 — .10

135 - 154 — 10 — .02 — .20 ✓

157 - (1) — 1 — .02 — .02 ✓

161 - 162 — 12 — .02 — .24 ✓

163 - (3) — 1 — .05 — 05 — .05

164 ~~(?)~~ 171 — 8 — .02 — .16 ✓ 3.22

172 (3) — 1 — .05 — 05 — .05

1.15 — 5.62

4.32

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलसु प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्बाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर सादी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल औटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि औटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

648	1	.02		.02
677 (32)	2	.10	.20	.20
680 – 682	3	.02		.06
688 – 690	3	.02		.06
693 – 696	4	.02		.08
697 (26)	2	.10		.20
698	1	.02		.02
700 – 710	11	.02		.22
715 – 716	2	.02		.04
718 – 719	2	.02		.04
720 – 723	4	.02		.08
726 – 727	2	.02		.04
729 – 731	3	.06		.06
738 – 749A,B(2)	14	.02		.28
750	1	.10	10	.10
751 (2)	1	.02		.02
753	1	.10		10
755 – 759	5	.02	10	.10
760 –	1	.10	10	.10
763 – 768	6	.02		.12
769 (5)	1	.05	.05	.05
770 – 792	23	.02		.46
793 (6)	1	.05	.05	.05
794 – 797	4	.02		.08
798 (3)	1	.05	.05	.05
999 – 807	9	.02		.18
808 (6)	1	.05	.05	.05
809 – 810	2	.02		.04
811 (22)	1	.10	10	.10
			80	

19
11
30

54

792
770
22

40

100
102
302

3.02
4.32
6.41
13.75

2.40
.80
2.40
.80
3.20

2.20
.80
3.00

2.40
3.02

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयों तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलसु प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल औटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि औटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

20,
The Gospel Recording Association
8, Commissariat Rd.
Bangalore — 1
S. India.

Dear Sir,

As we need the following records for Evangelism in different language speaking areas. So please be so kind enough as to supply them positively with the address given below for which act of your cooperation we may get help for proclaiming the Glory of the Almighty and many lost souls may be saved.

Records:—
1. Hindustani,
2. Bhojpuri—
3. Ho,—
4. Oriya—
5. Santali—

Yours sincerely,

K. D. Soy
G. E. L. Church,
Ranchi / Bihar.

Sincerely

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग विलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते वर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस वर्ष और आने वाले वर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली वर्ष है, परन्तु यह वर्ष सुसमाचार-प्रचार-वर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-वर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाएं जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के० पौल सिंह

20

BEL/60/72

Dt. 27.6.72

To,

All Supervisors
Evangelistic Fields
G. E. L. Church,

D/Sirs,

You are hereby requested to submit your Half yearly Statement and Reports of your fields, latest by the 15th July 1972. to the undersigned.

Thanking you.

Yrs

1. Rev. D. Guria
chaibasa.
2. Rev. H. Tuttee, Kuchinda.
3. Rev. Dh. D. Toppo Surg
Copy 4. Rev. S. Tiga, Ambikapur
5 Rev. M. Baa- Rangagora.

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३–११) में आप सब ही भाई–बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई–बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से – परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से – हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई–बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार – प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया – दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये – परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार–प्रचार–बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार–प्रचार–बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई–बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार–प्रचार–काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सह्योगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पौल सिंह

16.50
~~33.00~~
3.50
29.50

19.
166.50
163.00
3.50

Bill for June 1972

	Dr. Singh	Rev. Soy	Avior Halan	Total
Salary	375.00	195.00	150.00	720.00
Allowance	75.00			75.00
T.A.	13.65	–		13.65
Contg		10.35	–	10.35
P.F.	30.00	15.60	12.00	57.60
Pen F.	11.25 (1.23)	5.85 (1.43)	4.50 (16.50)	21.60
Jeep		54.69	–	54.69
Medical		55.34		55.34
Miscell	–	5.00	–	5.00
Misc.	–	(Office Exp. Holan etc.)	–	
Total	504.90	287.14	166.50	958.54
	55.66	54.69	33.00	54.69
		341.83		Rs. 1013.23

Less. 449.24 — Jeep Bill 33.50 — 55.66

12.50 excess of May 72

Excess 34.96 — 29.83 — ~~Total~~ Rs. 957.57

Exc. HR

414.28 — Net 42.90

Rupees Nine Hundred and Fiftyseven and paise Fifty seven only

21.25×2 — 82.50

331.78 — 286.93 — 133.50

Net 747.61

33.00
3.50
29.50

163.00
29.50

166.50
163.00
3.50

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयों तथा बहनों,

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोवेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३–११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से – परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से – हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया – दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये – परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल औटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि औटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

(Ranchi) 20 18 19

Jeep - 71

	Rs	
Jan.	410.86	43
Feb.	187.10	5½
		6
March	481.22	5
April	192.87	
May	54.90	5½
June	114.50 (114.50)	
July	55.10	
Aug	65.06	
Sep.	228.22	
Oct.	1.067.55	
Nov.	49.88	
Dec.	728.37	
	3.588.63	

~~De~~ Jeep Account 72

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३–११) में आप सब ही भाई–बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई–बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से – परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से – हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई–बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार – प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया – दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये – परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार–प्रचार–बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार–प्रचार–बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई–बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार–प्रचार–काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

C.C.P. HOUSE
G.E.L Church, Ranch

Bill of Advertisement

Dear Sir,

Your Letter Ref No C.C.P/2014 dated 7th april and Ref No CCP/2016 dated 28th April both the same acknowledged. So, now the Advertisment half page of Gharbandhu inside in ~~Gharbandhu~~ at the Rate of Rs 7/- (Rupees Seven only). So, You will pay the sum of Rs. 7/- (Rupees seven only) This amount be kindly deposit to the Gharbandhu office.

Thanking You

Yours Sinceerly

(editor Gharbandhu

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोवेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है। आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग विलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी। अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन, मन, धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है। अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं, तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे। इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी के पौल सिंह

C.C.P. HOUSE
G.E.L. Church, Ranchi

Dear Sir,

Your Letter Ref No CCP/35/22 Dated 22nd May 1972 is acknowledged with thanks.

Gharbandhu Copier No 211
at the Rate of ~~Rs~~ .35 ~~Paise~~ Rs. 73.85
Less 20% Your Comission 14.77

Balance 59.08

So, Now you will payment the sum of Rs. 59.08 (Fifty Nine Rupees and eight Paisë/Only) - This amount be kindly deposit to the ~~Ghar~~ Gharbandhu Office.

Thanking You

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाइरैक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयों तथा बहनों,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह (२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी । अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन, मन, धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर सादी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं, तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

(6)

C.C.P. House
G.E.L. Church, Ranchi

Dear Sir,

Your Letter Ref No CCP/35/20 Dated ~~19m~~ 19th May 1972 is ~~Akn~~ acknowledged with thanks.

So, now the Gharbandhu Copies No 211 which has been sold by you ~~at the~~ @ 35 Paice each ~~Copie~~ becames the some of Rs 73.85 (Seventy three Rupess and Eighty ~~Fif~~ five Pice/only.) This amount be kindly deposited to the Gharbandhu Office.

Thanking You

Yours Sinceerly

(Editor Gharbandhu

मिशन पर्व्व (१६६६) के शुभावसर पर

डाईरैक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १६६६ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १६७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

Do,

Rev. ... Bra.
Missionary Mikir Hills
Assam.

Dr Rev Bra.

Dt. June 3, 1972.

Your letters with the Bills of May & June 72 has been acknowledged with thanks.

Further this is to say that the Bill should reach this office through the proper channel. i.e. The Assam Anchal Adhyash should recommend and submit it to our office in duplicate, one for BEL office and other for KSS office. You are advised to prepare four Bills — one for you office, one for Anchal office, and two for BEL/KSS. This will help for prompt action. Each and every month ~~the bill~~ should reach BEL office latest by 25th of each month.

Secondly all the expenses you are making regarding the land for mission field etc. should have been with the Vouchers and it should be supported in your bills. ~~being submitted in the Anchal~~. The Vouchers shall be kept in the Anchal office. The shall be required in the time of Auditing. The medical Bills too be supported by the proper Vouchers for passing. Pastor's Kitchen & church constructions is being made ~~constructed~~ or has been already made ~~constructed~~ should also be fully supported by vouchers.

Thirdly the Payments of your Bills have already been paid up from this office up to the month of April 1972. Your Anchal office is in receipt of it.

Fourthly your Bills of May & June 72 is sent to the Anchal office for recommendation & resubmitting.

Yours ...

(C.K. ...)

C.c. to the Adhyaksh
Assam Anchal
for information &
necessary.

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्राथना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाएं जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पौल सिंह

13

Mr. H. Hertel,

Dear Mr. Hertel.

~~A~~ The Coloured Picture you sent for me from Germany is to hand ~~through~~ Mr. S. Bhengra, the Hd Acctt. KOS G. E. L. Church, Ranchi in due time. Now let me first thank you very much for this nice picture of the Power House of Chainpur. It shall always be the reminder of our Work of Chainpur. I shall be keeping it in a good frame in my room as a token of your Love & ~~[illegible]~~ friendship and the co-operation of our Work.

This year we are getting hotter and hotter every day of the hotest days of the summer, for there is no sign of ~~[illegible]~~ rain since last month and also no hope for a coming fortnight or so.

This much now, ~~with best complements to you & your family.~~ we are pulling on safe & sound & do hope you the same

With heartiest complements to you & your family

Yours sincerely

C. E. Barla

[illegible], G. E. L. Church Chotanagpur

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पादरी भाई ————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पॉल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, जी० इ० एल० ।

--------------- यहां से काटें ---------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

————————

(पादरी की सही) ।

12

Convener

To,

The ~~Chairman~~, Convinar
Surguja Planning Commission
~~Convinar~~

Dear Sir,

As the Planning ~~Commission~~ Commission is going to Surguja during the middle of the month of may 1972. This is ~~to~~ inform the Committee that due to the ~~to~~ illness ~~of~~ Dr. Singh Science Last week he will ~~be~~ not be able to attend the Surguja planning Commission meeting at ambikapur. So, his absence ~~make~~ may kindly be Pardoned. This correspondence has been made by his consent.

~~Thanks.~~

Your Sinceearly

~~C.K.P.~~ (K. D. Soy)

for (C.K.P. Singh)
Member, Surguja Planning Commn

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री – – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ––––––––––

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पॉल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – –

––––––––––––––––
(पाद्री की सही) ।

आरम्भ कर नहीं दिया जाय ।

प्रभु आपको आपकी सहायता की अगवाई
और कि [illegible] सफल होवे ।

आपका विश्वासी,

[signature]

for The Director, [illegible]

Rev. H. Tutter,
G.E.L. Church, Kuchinda Christianpara.
At & P.O. Kuchinda.
Dt Sambalpur

Rev. Tutter,

आपका सप्रेम नमस्कार ।

आपको जानना चाहिये है कि आपका ~~[illegible]~~
Paid के बिल [illegible] किया जाता है ।

1. T.A. का दो बिल — I का [illegible] ₹0 का
किया गया था और II [illegible] का — जो कि रसीद
सहित नहीं किया जाता है — आपका रसीद
[illegible] होना जरूरी था (Truck fare का)
~~[illegible]~~ [illegible] नहीं है ।
और [illegible] का तो कुछ रसीद भी नहीं है ।

2. Cycle के [illegible] — [illegible] तो
[illegible] का भी था और [illegible]
[illegible] — [illegible] हिसाब
[illegible] से आता था — [illegible] किया जाता है
[illegible] किया है जिससे बिल [illegible]

[illegible] हरिजन [illegible]
[illegible] कार्य [illegible]
बिल आना चाहिये ।

आपका विश्वासी

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ———————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का,
सी. के. पॉल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – ————————

(पाद्री की सही) ।

माननीय स. सचिव श्री ह. वडा,

आपका पोस्टकार्ड मिला ।

आपके पत्र [illegible] दिनांक 22-8-62 के लिये – हार्दिक धन्यवाद । यह [illegible] समय जिसमें युवकों के [illegible] किया जाता तथा जो विषय लिया जाता उसको महत्व सुनाते, [illegible] के द्वारा – यह एक अच्छा कार्यक्रम हो गया है । इसलिये – आशा है कि यह विषय [illegible] को लिया जाय – कि [illegible] सफल होवे । आशा जारी रहे और आपसे [illegible] की सहायता का आभारी [illegible] पुनः आपका [illegible]

आपका विश्वासी,

[signature]
for The Director, BRI

माननीय श्री. [illegible], मंत्री, ग्राम्य युवक संघ, P.O. Bano, Dt Ranchi,

आपका पोस्टकार्ड मिला ।

आपकी चिट्ठी [illegible] के लिये धन्यवाद । आपकी चिट्ठी से ज्ञात होता है कि डायरेक्टर [illegible] के साथ [illegible] को गत 8 तारीख [illegible] के द्वारा [illegible] 68 रात [illegible] आपको [illegible] हो जाना है [illegible] सम्मेलन [illegible] कि यह [illegible] जाना [illegible] को दिया जाए और सम्मेलन का

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरैक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल औटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि औटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

Mr. P. Sorer Bano
Asst P.O. Ramahi

Bill for May 1972

Postages. — Central

Tharbandhu

1414.06
262.65
166.50
1843.21

1843.21
1837.21
6.00

	Dr. Singh	Rev. Soy	Driver Halam	Total
1. Salary	375.00	195.00	150.00	720.00
2. Allowance	75.00			75.00
3 T.A				
4. Contg.		7.10	—	7.10
5. P.F.	30.00	15.60	12.00	57.60
6. Pen. F	11.25	5.85	4.50	21.60
7. Medical	150.85	20.50		171.35
8. Jeep	713.66		—	713.66
9. Miscel.	40.30	18.60	—	58.90
10 Discretionary	18.00	—		18.00
Total	1414.06	262.65	166.50	1,843.21
Less – I PF & Pen F own & Managers Contribution	82.50	12.00	23.50	
	1331.56	250.55	143.00	
II H.R. & Elec. & Misc charges	48.14	42.90	33.00	
	1283.42	207.65	Dasm 9.50	

30.00
11.25
41.25

72 Postages for G.B.		73 Postages for G.B.	
January	31 . 95	21 . 02	Jan
Feb	28 . 00	19 . 31	Feb
march	23 . 50	20 73	march
April	34 . 00	22 : 49	
May	35 . 10	18 . 57	
June	33 . 89	19 . 91	
July	20 . 40	20 . 07	
august	19 . 43	140 . 42	
sept	19 . 73	19 . 84	Other Exps.
Oct	19 . 75	~~15 . 00~~	
Nov.	20 . 35	~~155 . 42~~	
Dec.	19 . 00	160 . 26	
	305 . 10	15 . 00	other Advance to Shri ~~Swami~~ Saba Swami
		175 . 26	

N

N

CHARBANDU 1973

Dispatching Expenses

Particulars	Amount Rs. p.
1. January	~~19.00~~ 21.02
2. February	19.31
3. March	20.73
4. April	22.49
5. May	18.57
6. June	19.91
7. July	20.07
8. August	19.52
9. Sept.	27.81
10. Oct.	24.41
11. Nov.	15.37
12. Dec.	
	228.69

Income

Opening Balance	Rs. p.
1. Jan	179.00
2. Feb	442.10
3. March	359.00
4 April	692.00
5. May	164.00
6. June	152.00
7. July	172.00
8. August	228.50
9. Sep	128.00
10. Oct.	555.40
11. Nov.	83.00
12. Dec.	421.20
	3,558.20

J	179.00
F.	424.10
	359.00
Mar.	692.00
Apr.	164.00
May -	152.00
Jun -	172.00
July -	228.50
Aug -	128.00
Sept -	555.40
Oct -	83.00
Nov.	421.20
Total Rs.	3,558.20

Rev. C K Paul Singh —

Salary.

375. 72

1.

375.
40

385 - 73
9 - 74
394

394
385
9

Rev. Sry

Contg.

Paper Pins etc - 23.00

Newspaper
Nov. - 6.36
Dec. - 6.72
Jan. 74. 6.72
Rs. 19.80

medi
31.1.74
4.00
11/1 11.00
15.00

2. Panjikas 2.00

Paper, etc. } 4.00

29.00

13x20
260

8 | 30.80 (385 / 6)
246.40

385x8
4 8 | 30.80
24

3 | 11.55 | 385
9
25
24
75

395.x 8
31.60 PF

395.x3
11.85 Per. A.

Sry

205 x 8
16.40 P. F. 7

205x3
6.15 Per. F.

Hala
150x8x3
12.00
4.50

मिशन पर्व्व (१६६६) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्बाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १६६६ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १६७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

To
The Registrar of Newspapers for India
Ministry of I & B.
Room No 718 Shastri Bhavan
New Delhi - 1.

Sub:- Submission of Annual Statement, "Gharbandhu" for the year 1971.

Sir,

As per your letter Dt. 7/4/72. I beg to say that the Annual Statement of paper "Gharbandhu" has already been submitted to your Office. and the A/D we received back on 5th Apr. The Seal of your Office is stamped on it dated 29th Mar. 72.

~~Accordingly yours we regrett that the Statement is which had~~

So, please, be informed by this letter that we have done our best to fullfill the rules for submitting the Annual Statement for 1971. If by no means the said Statement is missplaced in your office - the

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

Sub: Renewal of Registration of C.B.

Sir,

In reference to the above noted subj. we have applied to your good office in a letter Ref. No Ghr-12/71 Dt. 25/11/71, and a reminder Ref. No BEL/10/72 Dt. 1.2.72, but till now we have not got any information from your office.

So, may we request your good office to furnish the same and renew the Registration of the said magazine and expedite at your earliest convenience.

The Regd No. of the C.B. is P.T.-15

~~Subscriber~~

Thanking you.

Yours sincerely

Sd/-

211 × 35

1055
633

73.85

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है। आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है। अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाएं जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे। इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी के पौल सिंह

April Bill for 1952

195 × 6/8 = 146.25 (15.60 / 155.85); 375 × 3/8 (30.00 / 11.25)

Postages Rs. 29.35 + .65 = 30.00

Bandh ... Central — 12.60

	Dr. Singh.	Rev. Soy	Driver Halan Topno	Total
1. Salary.	375.00	195.00	150.00	720.00
2. Allowance	75.00			75.00
3. T. A.	105.86		–	105.86
4. Contg.	–	12.60	–	12.60
5. P. F.	30.00	15.60	12.00	57.60
6. Pen. F	11.25	5.85	4.50	21.60
7. Medical	54.50	7.20		61.70
8. Jeep.	414.05	135.14		549.19
9. Miscel.	–	{57.28} {55.67} 113.25		113.25
10 CARAVS		157.28		157.28
		99.70		99.70
	1,065.66	578.37 / 5.37	166.50 / 143.00	1,816.50
less A) P.F Pa.F	82.50	584.34	23.50	
	983.16			
B) Abroh	45.84			
	937.32			

1065.66
584.34
166.50
1,816.50

157.28
99.70
57.58
52.21
5.37

33.00
23.50
9.50

25.70
29.96
.66

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है। आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी। अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है। अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे। इसके निमित यीशु ख्रृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी के पॉल सिंह

Ref No BEL/22/72 5

March 24, 1972

To,
The ~~Head Acct~~ K.S.S.
G.E.L. Church,
Ranchi

D/Sir,

The extract of the minute of the BEL Executive meeting dt. 20.3.72 is forwarded to you for your information and needful. ~~with a request to advance~~

Other matter:- Steel Almirah:- The Director expressed the need of a Steel Almirah to keep some valuable articles Projector, Films etc.

It was resolved that: The Director, BEL takes necessary steps to purchase a steel Almirah (Big size).

Yours ever,
C K Paul Singh

Central Deep –
Petrol 79.48
Servicing 29.96
109.44

Rickshaw charge 1.50
13.4.72 – 0.25
20.4.72 – 1.75
Recd

CARAVS med 77.80
16.00
Postage 5.80
99.60

Film 50.71
Postage 1.50
Servicing – 52.21

Bulbs etc 5.37

Papers, Refill, etc 26.17

Envelopes & Carbons 25.00
51.17

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३–११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से – परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से – हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभि–न्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार – प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया – दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये – परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस वर्ष और आने वाले वर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह वर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

4

Bill for March 1972

Jeep 105.50
99.00
204.50

Postages: 1) Gharbandhu Rs. 23.50 & Press Bill
Booklet
41.25 x 2
82.50
2) Central - mill 137.75
3. M.O. - 25.00
00.60
5.05 0.65 + 25
Com.
163.40
gorm

	Ch P Singh	KD S.	Halam	Total
Sala	375.00	195.00	150.00	720.00
All.	75.00			75.00
T.A	~~[illegible]~~	-	-	~~[illegible]~~
Conky		-		
P.F.	30.00	15.60	12.00	57.60
Per. F.	11.25	5.85	4.50	21.60
medi		-		-
Jeep	-	204.50	-	204.50
Mil	-	163.40	-	163.40
Total	~~562.90~~	584.35	166.50	~~1313.75~~

562.90
584.35
166.50
1313.75

491.25
584.35
166.50
1242.10

1313.75
71.65
1242.10

562.90
71.65
491.25

491.25 99.00 143.00 1242.10
82.50 485.35
P.F. 82.50
408.75
49.38
H Rent 359.37 + 567.85 23.50
99.00 591.35
Repair not 458.37

23.50
16.50
7.00
16.50

33.00
23.50
9.50

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पौल सिंह

Bill for February 1972

1 Postages. Chhar bandhu dispatched on 16.2.72. = 27.00 +1 2 28.0

2- Postages – Central — 5.70

	Rev. Dr. Singh	Rev. Soy.	driver Hilan	Total
Salary	375.00	195.00	150.00	~~[illegible]~~ 720.00
Allow.	75.00	–	–	75.00
S.A.	71.65	–	–	71.65
Contg.	–	5.70	–	5.70
P.F.	30.00	15.60 (14.45)	12.00	57.60
Pen. F.	11.25	5.85	4.50	21.60
Jeep.	285.08	48.19	–	~~285.08~~ 333.27
Medi.	–	16.53		16.53
Miscel.	77.00	8.15 48.19 65.00	–	144.15 (65.00 77.00 79.15)
Total	924.98	289.02 65.00	166.50 108.00	1380.50 65.00
Less	61.01	354.02		1445.50

863.97 — Less 42.90 — 311.12 — 58.50 — 33.00

P.F. Pen. F. } 82.50 — Rets etc. 12.00 — 299.12 — 25.50

781.47 net — 113.19 less — 185.93 net — 5.00 — 15.50 Net

65.00
48.19
113.19

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है। आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी। अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन, मन, धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है। अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं, तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे। इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी के पौल सिंह

Ghasbandhu Expenses 1972

1. Dispatch January 19, 1972 — Rs. 31.00
(Postage, Conveyance etc.)

649.34
31.00
618.34
65.00 T. Writer
553.34 in the Bank.

31.00
65.00
96.00

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर ... ेटरी
रेभ० ... सी० ... पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेव...

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पादरी भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री ...१९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित ... पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश ...ी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, ...ववार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव्व हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन ...ा है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – ...वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा ... लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती ... प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या ... उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट ...ना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पॉल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

------ यहां से काटें ------------------

...की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल ... – जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की ... । १९६९ ई० में ----- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

...ार रिपोर्ट ह... अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -- ...

____
(पादरी की सही) ।

Samad

500, Francis Samad
Mate, Birmitrapur
Kaplas west office
P.O. Kaplas
Dist - Sundargarh/Orissa

579, Rev, N.E. John Samad
G.E.L. church, Madhupur
P.O. Rangatikra
Dist — Sambalpur/Orissa

531, Cate, A.C. Singh
G.E.L. church Pochakhali
P.O. Sindurgaura
Dist — Midnapur

542, Cate, Daniel Sinku
G.E.L. church
at & P.O. Champua
Dist - Keonjhar, Orissa

Soy

211, Mrs, P. Soy
New Garden Siromtoly
Ranchi

345, Shri, Santosh Soy
Civil Dept. Bolani Ores Ltd.
P.O. Bolani
Dist — Keonjhar/Orissa

550, Cate. B. Soy
G.E.L. Church Laitor
P.O. Jaraikela
Dist — Singhbhum.

551, Rev, C.H. Samad
G.E.L. Church Mekti
P.O. Karaikela
Dist — Singhbhum

Sandil

644, Mr, L.M. Sandil
at & P.O. Barda
Dist — Purulia/W.B.

532, Cand. R. Sinku
G.E.L. church Kanpur
P.O. Kanpur
Via - Belda
Dist - Midnapur/W.B.

376, Shri, Jaimasih S
No. 2 Barpukh
Christian Ba
P.O. Ghatua
Dist — Darrang/Assam

334, Mrs, Telan Soy
Mines Hosp
Mosabani
Dist — Sin

449, Shri, Hakim Soy
Head Master
Lutheran M.E. School
P.O. Bandgaon
Dist — Ranchi

640, Shri, Ruben Soy
U.C.I.L Jadugora
P.O. Jadugora Mines
Dist — Singhbhum.

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

[illegible] ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

[illegible] पादरी भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री [illegible] ६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित [illegible] पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की [illegible] भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोवेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह रतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन [illegible]) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – [illegible] वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा [illegible] लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती [illegible] प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या [illegible] या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट [illegible]रेक्टर [illegible] जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

------------ यहां से काटें ------------------

[illegible] पेरिश [illegible] ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल [illegible]दनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की [illegible] । १९६९ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

[illegible] बिस्तार रिपोर्ट ह[illegible] अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० ---

____
(पादरी की सही) ।

Nag

~~H.~~ 481, Mr, Anandmasih Nag
at- Khonamukh
P. O, Nanke Pelgaon
Dist — Darrang / Assam

Purti

278, Mr, Paulus Purti
Jandi Store, Chaibasa Rd.
at- & P.O. Murhu
Dist — Ranchi

359, Mr, Santosh Purti
ASMA Farm Sarnatoly
P. O, Khunti
Dist — Ranchi

382, Shri, Nathniel Purti
Luth. M. E. School
Amlesa
P. O, Tamar
Dt- Ranchi

401 - Cat. M. P. Purti
Vill — Hulda
P. O. Bandgaon
Dist — Ranchi

469, Mr, Anandmasih Purti
at - Khokla
P. O. Harisinge
Dist_Darrang / Assam

489, Shri, Jusaph Purti
Vill. Jojodih
P. O. Sarjomdih Via-Tamar
Dist — Ranchi

487, Mrs, Shanti Purti
at- & P.O. Jaltanda
P. O. Khunti
Dist — Ranchi

512, Miss, Asrita Puri
F. C. I Namrup Hosp..
P. O. ~~B~~ Parbatpur
Dist - Dibrugarh / Assam

518, Shri, Isaiak Purti
G. E. L, Church Raida
P. O. Plotikachna
via Morantat-
Dist - Sibsagar / A

523, Mr, Paulus
Vill - Karkasom
P. O. Kardir
Dist — Ranchi

603, Mr, Prabhusahay Purti
Vill - Sinduribera
P. O. Bandgaon
Dist — Ranchi

69

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

पा० द्री ----------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिय पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोवे[illegible]६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप [illegible] पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्र[illegible]नी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सक[illegible]है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार [illegible] वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा [illegible] भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती [illegible] प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या [illegible]ी [illegible] युवा या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट [illegible]ाईरेक्टर [illegible] जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

[illegible] हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट [illegible] तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० ------

____
(पाद्री की सही) ।

453, Mrs. P. Minz
C/o. Dr. N. Minz
Goss^w^ Theol. College
Ranchi

456, Miss, Birsfulmani Minz
at - Goledih
P.O. Ankira
Dist - Raigarh / M.P.

528, Rev. B. Minz
A.T.C. Khutitoly
P.O. Khutitoly
Dist - Ranchi

527, Mr, Isahak Minz
Christian Basti Sonari
Qr. No. 1257 A
P.O. Kagalnagar
Jamshedpur — 11

488, Mr C.K. Minz
B.R.I. Office (O/L)
S.E. Rly. Sini
P.O. Sini
Dist - Singhbhum.

557, Miss, Balamdina Minz
New Colony Qr NO, 126
at & P.O. Bandamund
Dist - Sundargarh / Orissa

638, Mr, Komal Minz
C/o. Mr, B. Ram Adm.
U.P. School
at & P.O. Bagbera
Dist - Singhbhum

525, Rev, Surendra [illegible] MA (local)
G.E.L. church
Dhurwa. P.O.
Ranchi - 4

Mundu

543, Cate, Anandmasih Mundu
G.E.L. Church
at & P.O. Jagannathpur
Dist. — Singhbhum

358, Mrs, Hanna Mundu
c/o. Mr, B. Mundu
A.S.M.A. Farm Sarnatoly
P.O. Khunti
Dist — Ranchi

Murum

533, Cate. M. C. Murmu
G.E.L. church Manikdanga
P.O. Dantan
Dist — Midnapur / W.B.

641, Simon Mundu
NO. 63 Aryan Camp
Koira P.O.
Dist - Sundargarh / Orissa

312, Shri, Samuel Mundu 540
Retd. Forest Officer
at & P.O. Sundargarh
Dist - Sundargarh.
Orissa.

Cate, J. Mundu
G.E.L. church
at & P.O. Kanpur
Via - Belda
Dist — Midnapur / W.B.

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेव[illegible]

पा[illegible] – – – – – – – – – – – –

जी० इ० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव मे[illegible] का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानी[illegible] बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट [illegible]डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पॉल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – –

____

(पादी की सही) ।

593, Mr, Benjamin Lugun Pc
Birmitrapur Kapfas west office
P. O. Kapfas
Dist — Sundargarh
Orissa

597, Shri, M. Lugun
Kerea Zorgatoly
P. O. Kerea
Dt — Ranchi

600, Shri, Sugar Lugun
Kerea Gnijatoly
P. O. Kerea
Dist - Ranchi

604, Shri, Junal Lugun
B NO. 2 Qr. NO. 12
Langiberna P. O.
via — Rajgangpur
Dist - Sundargarh/ Orissa

Mahlo

588, Mr Edgar Mahlo
Block NO. 773/C New Quarter
Damodar Colony
P. O. Andal
Dist - Bardwan/W. B

Marki

338, Mr Paran Prasad Markey
Labrakhaman
P. O. Sol
Dist - Sundargarh/ Orissa

Marandi

534, Cate. J, N, Marandi
G. E. L. Church Kamar Muhli
P. O. Sidurgaura
Dist - Midnapur/W. B.

539, Cate, D. P. Ma[illegible]
G. E. L. church Rangama[illegible]
P. O. Rangamatia
Dist - Mayurbhanj / Orissa

Minz

321, Mr, Premprakash Minz
G. E. L. church,
U. P. School Jalka
P. O. Baigaon via Sesai
Dist - Ranchi

324, Shri, N. Minz
G. E. L church chengmari
P. O. Marakhata
Dist — Jalpaiguri/W. B.

325, J. Minz
G. E. L. church, chengmari
P. O. Marakhata
Dist — Jalpaiguri/W. B.

368, Shri D. Minz
G. E. L. church chengmari
P. O. Marakhata
Dist - Jalpaiguri/ W. B.

412, Miss. A. Minz
G. E. L. church (Bethesda Compd.)
Ranchi

422, Rev. P. C Minz
G. E. L. Church Mandar
~~Vill. Gopitoly~~
~~P. O. Chiri~~ P. O. Mandar
Dist - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पादरी --------------
जी० ई० एल० चर्च, -------

प्रिये पादरी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____
(पादरी की सही) ।

Lakra

315, Shri, Pritamomasih Lakra
at & P.O. Sikariadanrh
Lalutoly
Dist - Ranchi

395, R. Roy Lakra
5000 Koeln 1
Sachsenring 35
W - Germany

396, Rev, D. Lakra
G.E.L. church Gnasai
P.O. Gua
Dist — Singhbhum

406, Mr, A. Lakra
G.E.L. Church
At & P.O. Khutitoly
Dist - Ranchi

513, Mr, C. M, A. Lakra
59/12 Bhupen Roy Rd.
Behala
Calcutta - 34

570, Cat. Johan Lakra
Vill. Baspur
P.O. Guru
Dist - Ranchi

601, Mr, Israel Lakra
Vill. Gangajal
P.O, Jhargugua via
Kuchinda
Dist - Sambalpur / Orissa

602, Mr, Manohar Lakra
E.I.P. School Mirchaipath
P.O. chiraiya Via chainpur
Dist - Ranchi / Bihar

Longa

326, O.R.A. Daud Longa
No. 13910482.
306 Fd. HOSP. Sec.
c/o. 56 A.P.O.

Lugun

385, Mr, A. M. Lugun
Qr. No. C/140, Sector 20
Rourkela - 5
Dist - Sundargarh / Orissa

454, Miss, Christ Promila Pyari Lugun
G.E.L. church, Kotbo
P.O. Kamdara
Dist - Ranchi

455, Rev, H. Lugun.
G.E.L. church
at & P.O. Deogarh
Dist - Sambalpur / Orissa

529, Shri, Emanuel Lugun
Jagda Mines
P.O. Jhirpani
Rourkela - 2, Sundargarh

547, Cat. I. Lugun
G.E.L. church
at & P.O. Jagarnathpur
Dist — Singhbhum.

560, Miss, Mukta Lugun
at - Bera - Ichinda
P.O. Rajanandpur
Dist - Singhbhum.

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में
पादी ––––––––––––
जी० ई० एल० चर्च, ––––––

प्रिये पादी भाई ––––––––––

आप को यीशुसहाय । गत वर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोवेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें ! साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस वर्ष की पंजिका में २री नोवेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह रतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी- के. पाल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

–––––––––––––– यहां से काटें ––––––––––––––––

इस वर्ष हमारी पेरिश की –––––– मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ––––––– जमा हुई और –––––– (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में –––– जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० –––––––

____
(पादी की सही) ।

Kujur

~~507~~,

271, Rev, S. Kujur
G.E.L. Church
Singhani
Dt-Hazaribagh.

273, Cat; Benjamin Victor Kujur
G.E.L. church, Jadi
P.O. Kashir
via — Gumla,
Dist — Ranchi

364,
Mr, B. Kujur
Qr. No. B/89/Sector-7
Rourkela - 3
Sundargarh/Orissa

379, Shri, Mohan Kujur
at & P.O. Sitonga
Dist - Raigarh / M.P.

394, Mr, B. Kujur
Qr. No. 151/1 Loco colony
P.O. Bandamunda
Dist — Sundargarh / Orissa

441, Cand. Biraj Kujur
G.E.L. church Bhagalpur
P.O. Jaspur Nagar
Dist — Raigarh / M.P.

447, Rev. C.D.L Kujur
G.E.L church
at & P.O. Barobisa
Dist - Jalpaiguri / W.B.

571, Mr, Stiphan Kujur
Nirmala Middle School
at & P.O. Dadda
Port- Blair
S/ Andamans

606, NO. 4245073
Sep. Nirdosh Kujur
117 M.C / M.F. Det
P.O. Garhara
Dist - Monghyr

615, Mr, Adam Kujur
Kaplas East office
P.O. Kaplas
Dist - Sundargarh / Orissa

Kispotta

496, Mr, Markas Kispota
Tinkharin T.E.
P.O. Darrang Panbari
Alisinga
Dist - Darrang / Assam

614, Cat; Francis Kispota
Bandlikani
P.O. Goriadih
Dist - Sundargarh
Orissa

Kujur, (503)
Mr. S. Kujur
G.J.F. C.H.S.L
Rourkela - 1 Dt. Sundargarh/Orissa

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भब हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी- के. पॉल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____
(पाद्री की सही) ।

~~Kongari~~ Kindo

296, Rev. C. A. Kindo
G.E.L. Church Nimdih
P.O. Khampur
Dt - Sundargarh/Orissa

384, Rev. M. Kindo
G.E.L. Church
P.O. Chainpur
Dist - Ranchi

520, Mr, Komal Kindo
at & P.O. Guriadihi
Dt - Sundargarh/Orissa

653, Cat. S. Kindo
G.E.L. Church
at & P.O. Kansbahal
P.S. Colony
Dist - Sundargarh/Orissa

Kongari

388, Shri, Jusaph Kongari
Vrikel Girjatoly
P.O. Marcha
Dist - Ranchi

457, Mr, H. Kongari
Qr. No. DT. 414
Dhurwa Colony,
Dhurwa, Ranchi-4

522, Shri, K. Kongari
Production Planning
& Control Deptt. H.S.L.
Rourkela
Dist - Sundargarh
(Orissa)

608, Mr, Julius Kongari
Vill. Tangarmunda
P.O. Uchkapat via Bamra
Dist - Sambalpur/Orissa

Kulla

429, Rev. S. ~~Kulla~~ Kula (Local)
G.E.L. Church
Ranchi

643, Shri, Sobha Kula
Qr. No. 424 "E" Type 3/A
B. S. City
Dhanbad.

Kullu

294, Mr, Boas Kullu
at & P.O. Saipur
Dist - Ranchi

333, Mr, Barnabus Kullu
at & P.O. Gutadih (Kurdeg)
Dist - Ranchi

407 ~~344~~, Rev. J. Kullu
G.E.L. Church
at & P.O. Khutitoly
Dist - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० स्ल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षो सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुज़ुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____
(पादरी की सही) ।

595, Dr, Nuas Kerketta
at P.O. Sundargarh
Dist (Orissa)

628, Mr, Patras Kerketta
Kulti Ranchi Gram
P. O. Kulti
Dist - Burdwan/W.B.

356, Mr, H. Khalkho
Asstt. Stn. master,
at & P. O. Tatisilwai
Dist — Ranchi

607, Mr, William Khalkho
Vill. Birda
P. O. Kakaria
Dist — Ranchi

565, Mr, C. K. Khalkho
I. A. Co. Ltd. Bangru Hills
P. O. Lohardaga
Dist - Ranchi

448, Shri, Bimal Dan Khakha
Lamp Fitter,
West Bokaro Colliery,
P. O. Ghatoland
Dist - Hazaribagh.

652, Shri, D. Khakha
Vill. Nawatoly
P.O. Ichkela
Dist - Raigarh/M.P.

487, Mrs. C. S. Khakha
Vill. Pasia
P. O. Pasia via Kasabel
Tet. Jashpur
Dist — Raigarh/M.P.

313, Shri, Dhankunwar Khess
Langiberna
No. 3
P. O. Langiberna
Dist - Sundargarh

409, ~~509~~, Cat. Timothius Khess
G. E. L. church Panbari T. E.
P. O. Turturi
Via Saontalpur
P. O. Saontalpur
Dist - Jalpaiguri/W.B.

Kisku

530, Cat, M, Kisku
G. E. L. church Borsol
P. O. Dhanshol
Dist - Midnapur
(W. B.)

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पादरी ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पादरी भाई ________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षो सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह रतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____

(पादरी की सही) ।

599, Shri, Samuel Kandulna
M. E. School
at & P.O. Kerea
Dist - Ranchi

637, Mr, Jibon Kandulna
Namdang T. E. Hospital
P.O. Margherita
Dist - Lakhimpur / Assam

650, Mr, Israel Kandulna
C/o. Mr, B. Topno
Purnapani
P.O. Jamdihi~~Kia~~
via Lohanipara
Sundargarh/Orissa

Kendar

~~656~~,
285,
Gossner B.B.P, Kendar
at & P.O. Govindpur
Dist. Ranchi

Kerketta

257, Pracharika Jasmani Kerketta
C/o. Rev. H.M. Bage
G.E.L. Church Panisaani
P.O. Palkot
Dist - Ranchi

340, Mr, Martin Kerketta
at. Kello
P.O. Minjurdima
Dist. Sundargarh/Orissa

428, Mr, Matias Kerketta
G.E.L. Church Compd.
at & P.O. Rajgangpur,
(Orissa)

506, Cat. Joseph Kerketta
G.E.L. Church Hospital
at & P.O. Amgaon
via Deogarh
Dist - Sambalpur/Orissa

510, Mr, Martin Kerketta
(Forester)
Camp. Manglutam
P.O. Huntiganj
S. Andamans

554, Miss, Bahalen Kerketta
Vill - Chiruberwa
P.O. Kesramal
Dist - Sundargarh/Orissa

587, Mr, Suleman Kerketta
152, New layout Sonari
P.O. Kadma / Jamshedpur-11
Dist - Singhbhum

590, Mr, Johan Kerketta
Vill - Tukutoly Raghunathpur
P.O. Parsa
Dist - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पादी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु येह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____

(पादी की सही) ।

Kandir Kandulna

541, ~~350~~, Pracharika M. Kandir
G.E.L. Church
at- & P.O. Burju
Dt. Ranchi

319, Cat, Sulze Kandulna
At - Chandiposi
G.E.L. Church
P.O. Rajgangpur
Dist - Sundargarh/Orissa

337, Mr, B. Kandulna
U.P. School, Barkibiura
P.O. Barkibiura via Kurdeg
Dist — Ranchi

361, Rev Asian Kandulna
G.E.L. Church
Koendega
P.O. Bansjor
Dist — Ranchi

423, Rev, C.P. Kandulna
at - Jorabandh
P.O. Barkibazar
Dist - Sundargarh/Orissa

466 Cand. Manohar Kandulna
C/o. Mr, M.M. Horo
Qr, No. 438 III A E Type
S.R. Sec. Guard
B.S. City Harla III D
Dhanbad

490, Mr, M.S. Kandulna
A.T.C.
Khutitoly P.O.
Dist - Ranchi

432, Shri, Marshal Kandulna P.C.
Birmitrapur Kaplas west-office
P.O. Kaplas
Dist - Sundargarh/Orissa

501, Mr, Anandmasih Kandulna
Birmitrapur, Kaplas west office
P.O. Kaplas
Sundargarh/Orissa

556 Mr A. Kandulna
at- & P.O. ~~Torjan~~ Torajan
Via. Khowang
Dist — Lakhimpur/Assam

563, Shri, Yakub Kandulna
New Satranji
P.O. Hulhundu
Dist - Ranchi

656, ~~576~~, Mr, Gossner Kandulna
Vill. Tonea
P.O. Kutungia
P.S. Kolebira
Dist — Ranchi

19

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पादरी – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____
(पादरी की सही) ।

567, Mr, Arbind Horo (Local)
Kokar, Hazaribagh Rd.
Ranchi

568, Mr, Mangal Horo
Vill. Jgungda Papla toly
P.O. Kurnhari
Dist — Ranchi

583, Cat. Nirmal Horo
at & P.O. Karra
Dist — Ranchi

620, Mr, Vincent Horo
c/o. Mr, A. Minz (Guard)
at & P.O. Danguaposi
Dist — Singhbhum

621, Mr, Rejan Horo
at Kabiradih
P.O. Koronjo
Dist - Ranchi

623, Rev, ~~M.~~ Horo
at & P.O. Jashipur
Dist - Mayurbhanj/Orissa

649, Mr, P. C Horo
Member
University Service Commission
Rajendranagar, Patna

651, Mr, M. M. Horo
Sec. Guard.
Qr. No. 438 III A "E" Type
Harla III D.
BS City Dhanbad

Jojo

445, Rev, Martin Jojo
Adhyaksh Orissa Anchal
G.E.L. Church
Rajgangpur
~~at &~~ P.O. Rajgangpur
Dt. Sundargarh/Orissa

436, Rev. C. D, Jojo
G.E.L. church Borsol
P.O. Dansol
Dist - Midnapur, W.B.

Kamal

440, Cat. Daud Kamal
at — Ulipiri
P.O. Pundidiri
Dist. Ranchi

647, Cat. Hanukh Kamal
G.E.L. church Amlesa
P.O. Tamar
Dist - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पादरी – – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____
(पादरी की सही) ।

566, Mrs. Helan Herrom
Bethesda Compd:
Ranchi

592, Cat. Christ Kalyan Horrom
G.E.L. Church, Chiddi
P.O. Raisemla Dt-Ranchi

642, Mr. David Herrom
Type 2, Qr. No. 49/6
Kiriburu P.O.
Dist - Singhbhum

389, Mr. Samuel Herenz
Qr. NO. 327/C
at & P.O. Bandamunda
Dist - Sundargarh/Orissa

Horo

323, Mr. John Horo (Local)
New Garden Serumtoly
Dist - Ranchi

584 Cat. Boas Herenz
Vill. Dhanamunj
P.O. Jaltanda
Dist - Ranchi

416, Rev. A. Horo
G.E.L. Church
at & P.O. Sombari
Dist - Ranchi

~~463, Mr. P.C. Horo~~
~~Member~~
~~University Service Commission~~
~~11 D. Rajendranagar~~
~~Patna - 16.~~

431, Shri, Samuel Horo
at & P.O. Kurhari
Dist - Ranchi

464, Mr. M. Horo
at & P.O. Chiria
via Manoharpur
Dist - Singhbhum

433, Prachin Obed Horo,
G.E.L. Church
Camp. Seokaran Daffai
at & P.O. Kaplas
Dist - Sundargarh/Orissa

483, Mr. C.H. Horo
B.S.L. Co Ltd,
Main Lab Office,
at & P.O. Birmitrapur
Dist - Sundargarh/Orissa

435 Rev. E. Horo.
G.E.L. Church
Amlesa
P.O. Tamar
Dist - Ranchi

~~494~~, 499, Rev. M. Horo
G.E.L. Church
Ghaghra Shantipur, P.O.
Darrang/Assam

69

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————————

(पाद्री की सही) ।

Guria

335, N/Sub. O. S. Guria
Military Hospital
Amritsar (Punjab)

378, Shri, Amus Guria
Family Qr. NO. 8
Itki Sanatorium
P.O. Itki
Dist — Ranchi

504, Rev. I. Guria
G.E.L. Church
Chaibasa
Singhbhum

618, Mr, C. Guria
Vill. Barsua HSL
P.O. Barsua
Dist - Sundargarh/Orissa

630, NO. 4247151 ~~Sep~~
Sep. Martin Guria
B. Coy, 6 PL
2nd Bihar Regt.
C/o. 99 A.P.O.

634, Anandmasih Guria
Torpa Khasnatoly
P.O. Torpa
Dist - Ranchi

Hasada

552, Rev. C.D. Hemant-Hasada
G.E.L. Church
at & P.O. Jagarnathpur
Dist - Singhbhum.

Hassa

611, Mr, Lucas Hassa
at - Bhadulpani
P.O. Ekma via Bargaon
Dist - Sundargarh/Orissa

Hemrom

~~311, Shri, Daud Hemrom~~
~~Type 2, Qr. NO. 49/6~~
~~Kiriburu~~
~~Dist - Singhbhum.~~

377, Rev. Philip Hemrom
G.E.L. Church
at & P.O. Baribiringa
Via Kolebira
Dist - Ranchi

395, Miss, S. Hemrom
Head Mistress
Bethesda Girl's Middle
School, Ranchi

461, Rev. D. Hemrom
G.E.L. Church,
New Sitaramdra,
P.O. Agriat
Jamshedpur - 9

472, Mr, Nicodim Hemrom
NO. B - Pathpahar
P.O. Birmitrapur
Dist - Sundargarh/Orissa

521, Mrs, M. Hemrom
at - & P.O. Panposh
Qr. NO. A/63
Dt - Sundargarh/Orissa

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____

(पाद्री की सही) ।

494, C. A. Das
Orangpara Basti
P.O. Titagarh
24, Pargana / W.B.

339, Patras Dungdung
Surgura
P.O. Sol
Dist - Sundargarh / Orissa

EKKa

269, Rev. Pritamarsh EKKa
G.E.L. Church
at & P.O. Amgaon
Dist - Ranchi

348, Shri, Chonhas EKKa
New Dooars T.E.
P.O. Banharhat
Dist - Jalpaiguri

357, Mr, Bisram EKKa
Madhya Pat-Kapara Basti
P.O. Pat-Kapara
Dist - Jalpaiguri / W.B.

436, Cate. Y. S. EKKa
G.E.L. Church
at & P.O. Barobisa
Dist - Jalpaiguri / W.B.

559, Rev. M. P. EKKa
G.E.L. Church
at & P.O. Lali
Dist - Ranchi

569, Dr. B. S. K. Das
at & P.O. Pelebar
Dist - Hazaribagh.

617, Cat. S. M. Dungdung
G.E.L. Church,
at & P.O. Keralega
Dist. Sundargarh / Orissa

303, Mrs. E. EKKa
15 / L4 Rd. No. 8
Farm area Kadma
Jamshedpur
Dist - Singhbhum

352 Shri Daniel EKKa
vill - Kharidag
P.O. Telri
Dist - Ranchi

495, Mr, Prasad EKKa
(Signaller)
at & P.O. Rourkela - 3
Dist. Sundargarh / Orissa

485, Mr, Elias EKKa
Adibasi Hostel
Daily Market
Rourkela - 1
Sundargarh / Orissa

561, Miss, Biswasi EKKa
vill - Kulabera
P.O. Lowarom
Dist - Sundargarh / Orissa

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी० के० पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————————

(पाद्री की सही) ।

Bading

476, Cat. Maskas Bading
G.E.L. church Panipoota T.E.
P.O. Amaribari
Dt - Darrang/Assam

616, Cat. Marsidh Bading
vill. Torpa Barkatoly
P.O. Torpa
Dist - Ranchi

Dang

341, Mr, Dhanmasih Dang
at - Birjikhol
P.O. Sol
Dist - Sundargaon/Orissa

353, Shri, Stiphan Dang
A.C.C. Ltd.
at & P.O. Jhinkpani
Dt. Singhbhum

434, Cat. Jakaria Dang
G.E.L. church
Camp. Seokaran Saffai
at & P.O. Kaplas
Dist - Sundargarh/Orissa

467, Mr, E. Dang
Sub Registrar Sakra
P.O. Dholi,
Muzzafferpur.

594, Mr, Matias Dang
Headmaster
Middle School,
at & P.O. Bombolkera,
via Simdega
Dist - Ranchi

Dangwar

505, Mr, B. Dangwar
at - Kadma
P.O. Khunti
Dist - Ranchi

646, Mr, Lucas Dangwar
Loyongkel - Dumartoly
P.O. Rampur
Dist - Ranchi

Dahanga

390, Mr, C. J. Dahanga
Borengajuli T.E.
P.O. Dimakuchi
Darrang/Assam

398, Cat. M. Dahanga
G.E.L. church ToKad
P.O. Bandgaon
Dist - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – –

जी० ई० स्ल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **बर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भस्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जारं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____

(पाद्री की सही) ।

Bhuinya

564. Rev. N. Bhuinya
G.E.L. church Kadma
P.O. Khunti
Dt. Ranchi

605, Mr, Martin Bhuinya
vill Latakel
P.O. Latakel via Bano
Dt - Ranchi

627, Mr, J. M. Bhuinya
Pathalibam T.E.
P.O. Tarajan via
Khowang
Dibrugarh/Assam.

Bilung

No. 6288913
362, Shri, B. S. Bilung
350 Inp. BDE
Sig. coy
C/o. 99 A.P.O.

470, Mr, P. C. Bilung
at - Karalega Haraktoly
P.O. Karalega
Dt - Sundargarh/Orissa

Burh

380, Mr. Sugar Burh
Gua Middle School
P.O. Gua
Dt - Singhbhum

391-
Shri, Manohar Burh
vill. Kenligh Jarakel
P.O. Bangaon (135-27)
Dt - Singhbhum.

418, Mr, Dayalu Burh
G.E.L. Church Bamani Hills
P.O. Tezpur
Darrang/Assam

555, Mate, Jiwanmarih Burh
18 RMU ~~GREE~~ GREF
Pl. No. 1-B
C/o. 99 A.P.O.

~~Bodra~~ Beck

354, Mr, Shashi Bhusan Beck
Magistrate,
Daltonganj Collectorate,
Daltonganj
Dt. Palamau

546.
3/ Cate, Nirmal B.
vill. Parodih
P.O. Jaraikella
Dist - Singhbhum.

-55

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन–पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार–प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी० के० पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————
(पादरी की सही) ।

Barjo

331. Mr, P. S. Barjo
Eidners High School
Takarma
P. O. Lazria
Dist - Ranchi

372, Rev, S. Barjo
G. E. L. church Sarnatoly
P. O. Khunti
Dist - Ranchi

373, Rev, M. Barjo
G. E. L. church
at & P. O. Koronjo
Dist - Ranchi

Barwa —

Bhengra

267, Miss, Helen Bhengra (local)
Bethesda Girls' Training
School, Ranchi

267 A Rev. Matias Bhengra II
G. E. L. church
at & P. O. Jurdag
Dist - Ranchi

268, Rev, Matias Bhengra I
G. E. L. church Chiur
P. O. Bingaon
Dist - Ranchi

387, Shri Daniel Bhengra
vill. Sosotoly (Sondari)
P. O. Dorma
Dt. - Ranchi

480, Mr, Mansidh Bhengra
at - Khonamukh
P. O. Hanke Patgaon
Dt - Darrang / Assam

497. Shri, Johan Bhengra
c/o. Yard T X R Office
at & P. O. Danguaposi
Singhbhum.

532. Mrs, Susani Bhengra
G. E. L. church Amlessa
P. O. Tamar
Dt. Ranchi

648, Cat. Christosukh Bhengra
G. E. L. church
at & P. O. Kolomdega
Dt - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **बर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित्त आप भी अपने पैरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————
(पाद्री की सही) ।

330 - S. Bakhla
G. E. L. church
Elizabeth Compd.
Ranchi.

Barla -

314 - Shri, Junul Barla
B. II Qr. NO. 10
at & P. O. Lanjiberna
Dist - Sundargarh.

427 -
Mr Anem Barla
at - Christianpara Pahar Sirgira
P. O. Paharsirgira
Dist - Sambalpur / Orissa

474 - Mr, Ch. Dalan Barla
"E" Shop
507 Army Base W/Shop
P. O. E S D (M)
24 Parganas / W. B.

498, Shri, Silas Barla
C/o. Rev. S. ~~Barla~~ Burh
G. E. L. Church Jharsugda
Sambalpur / Orissa

514 - Mr, Marshal Barla
Dhursatoly
Ranchi

537. Cali. C. B. Barla
G. E. L church Mal-jamuna
via - Belda
P. O. Mal - Jamuna
Dist - Midnapur

393. Mis, Diramani Bakhla
vill - Kesramal, Barkatoly
P. O. Kesramal
Dist - Sundargarh / Orissa

586, Mrs, F. Barla
Kumhartoly Purulia Road
Ranchi

626, Mr, Joseph Barla
Nawadih
P. O. Rajchampur
Dt - Palamau

654 - Mr, Junathan Barla
at & P. O. Sewai
Dist - Ranchi

(624) -
Shri, Bijoy Kumar Bage
Sector - 20, Qr NO. A/2 CT
Rourkela - 5
Dist - Sundargarh / Orissa

655. Rev, Patras Bage
G. E. L. church
Gumla P. O.
Dist - Ranchi

349, Mr, Heran ~~champi~~ champia
Pramukh Murhu Block
P. O. Murhu
Dist - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी –––––––––––

जी० ई० एल० चर्च, ––––––

प्रिये पादरी भाई ––––––––

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

–––––––––––––– यहां से काटें ––––––––––––––

इस बर्ष हमारी पेरिश की –––––– मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी –––––––– जमा हुई और –––––– (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में –––– जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० –––––––

––––––––––––––––

(पादरी की सही) ।

Centre & chairman

336.- Youth fellowship Centre (local) G.E.L. Church Compd. Ranchi.

371. The parish chairman G.E.L. Church Lali at & P.O. Lali Dist - Ranchi

Bara

578

Rev. A. Bara G.E.L. church Kinkel P.O. Ranchi.

Bage

~~223~~ 233 - Mr. Z. Bage Forest Department, Singhbhum Afforestation Dn at & P.O. Chaibasa Dist - Singhbhum

347 - Cate. Paul Bage G.E.L. Church, at & P.O. Suiamba Dt - Sundargarh/Orissa

420.- Rev. P. S. Bage G.E.L church Darigutu P.O. Maranghada Dist - Ranchi

492. Shri, Samuel Bage Qr.No. C/5 - Sector - 15 Rourkela - 3 Sundargarh/Orissa

342.- Lawrentius Bage at - Bentjkarain P.O. Jaraboga Dt - Sambalpur

369. Rev. Samuel Bage c/o. Mr. Eliezar Topno Q. No. 269 Brajrajnagar P.O. Dt - Sambalpur/Orissa

575. Mr. Gladson Bage Kaplas west Office Birmitrapur, P.O. Kaplas Dist - Sundargarh/Orissa

596.- Shri, Nuas Bage Kerea Dimbutoly P.O. Kerea Dist - Ranchi

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १६६६

सेवा में
पाद्री – – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ————————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १६६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाब हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १६६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————————
(पाद्री की सही) ।

A - Aind

307 — Mr, Salmon Aind
at & P.O. Lianjebesna
via - Rajgangpur
Dt. Sundargarh/Orissa

316 — Cand Abinas Jolen Aind
Bandatoly
P. O. Murhu
Dt. Ranchi

381 — Shri, Marshal Aind
M/s. O. M. D. CO Ltd.
at & P. O. Thakurani
via - Borbil
Dt - Keonghar/Orissa

414 ~~416~~ — M. Aind
Manoharpur Siding
P. O. Manoharpur
Dt - Singbhum

416 - Rev. A. Horo
G. E. L. Church
at & P. O. Lowboi
Dt - Ranchi

484 — Mr, P. Aind
vill. Raidang
P. O. Fotikasuwa
Dt. Sibsagar/Assam

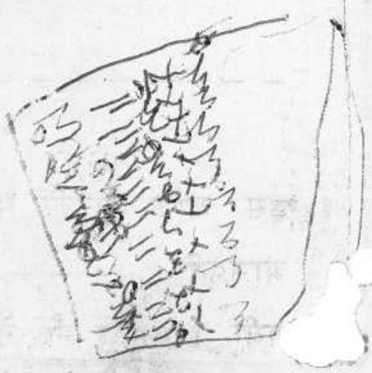

B - Baba

411 - Mr. Siyan Baba
G. E. L. Church
at & P. O. Kundaloi
Via - Belpahar
1.5 Dt - Sambalpur/Orissa

582 - Cat. Jakaria Baba
vill. Kudlung
P. O. Jaltanda
Dist - Ranchi

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
TRAVELLING ALLOWANCE
BILL.

Name and designation..

Address..

. ...

T.A. purpose...

Date of journey	Particulars	Amount. Rs.	Paise

Total Rs.
Less Advance

Net amount payable Rs.

Date. __________ Signature.

Recommendation of authorised officer:-

Signature of recommending officer (Pramukh Adhyaksh/Adhyaksh/ Chairman of GELC. Board/Director of Department.

Accountant's remarks. Checked and found correct. The amount of the bill for Rs.__________ may be passed.

ACCOUNTANT.

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्षा हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____

(पाद्री की सही) ।

Index

S. No	Title	Page No
	A	
1.	Area	
2.	Aind	
	B	
3.	Baba	
4.	Bading	
5.	Bage	
6.	Barla	
7.	Bara	
8	Bhakla	
9	Barjo	
10	Barwa	
11	Bhengra	
12	Bhuinya	
13	Bilung	
14	Bodra	
15	Bor	
16	Bush	
	C	
17.	Centre	
18	Chairman	
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26.	25	

69

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १६६६

सेवा में

पाद्री ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ———————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १६६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भम्व हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पॉल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------- मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------- (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १६६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

———————

(पाद्री की सही) ।

Jan. 1973

Paper no.	Rs. Paise
23	36.00
24	25.00
25	40.00
26	30.00
27	24.00
	Rs. 155-00

1971

32 Copies x4
128
20
108

Rs. 108-00

1972

42 Copies x4
168
28
140

Rs 140

248

151.20
23.40
127.80

28.00
40.00
15.00
83.00

108
83
25-

360.50
18 0.00

127.80
23.40
151.20

32 x 360
1920
96
115.20
114
111.20

111-20
60
171-20

42.360
2520
126
151.20

83
52
135
111-60
23.40

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरैक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री ----------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरैक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरैक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरैक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

------------------ यहां से काटें ------------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सकें)

ता० -------

____

(पाद्री की सही) ।

720
75
58.95
37-75
57.60
21.60
405.54
261.46
1637-90

195
37.75
15.60
5.85
102-82
357.02

405-54
375.00
75.00
58.95
30.00
11.25
158-64
1114-38

3

Sep. to Dec. 1972

S. No. - 530-552 = (23) copies = Rs. 23x4 = 92
Rs. 92/-

Page No.		Rs. a. Paisa
1		20-00
2	Sept. & October	21-75
3	Octobres	44-00
4		
5		41-60
6	Nov.	20-00
7		88-00
		37-00
8		36-00
9		24-00
10		24-00
11		24.00
12		24.00
13	Nov. & Dec.	28.00
14		24.00
15		39.00
16		12-00
17		36.00
18		78.00
19		32.00
20		16.00
21		56.00
22		20.00

Rs. 745-35 paise

745-35
92
Rs. 653-35 paise

9

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री ------------

जी० ई० एल० चर्च, --------

प्रिये पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------- मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____
(पाद्री की सही) ।

261 - 46
~~144 - 15~~
160 - 68
163 - 40
~~174 - 95~~
274 - 65
248 - 25
60 - 34
143 - 49
752 - 79
7309 - 94
632 - 76
1411 - 03

11418 - 79

405 - 54
333 - 27
204 - 50
549 - 19
713 - 66
54 - 69
136 - 39
151 - 67
44 - 10
632 - 69
254 - 65
104 - 99

3585 - 34

8640 - 00
900 - 00

8640
900
467
201
691
259
3585
11418

26163 - 69

7309 - 94
261 - 46
160 - 68
163 - 40
274 - 65
248 - 25
60 - 34
143 - 49
752 - 79
632 - 76
1411 - 03
11418 - 79

58 . 95
71 . 65
105 . 86
13 . 65
47 . 60
17 . 25
19 . 30
46 90
86 20

467 - 36

37 . 75
5 . 70
35
23 . 40
10 . 45
73
45
6 . 35
4 . 30
80
201
168

1636
1445
1242
1816
~~1889~~
1843
1013
1225
1806
8320
2197
2632
983

8640
900
467 - 36
201 - 80
691 - 20
259 - 20
3585 - 34
11418 - 79

26163 - 69

720
75
86 - 20
6 - 35
57 - 60
21 - 60
110 - 73
254 - 65
1156 - 60
143 - 70

2632 . 43

1636 - 90
1445 . 50
1242 . 10
1816 . 50
1843 - 21
1013 - 23
1225 . 08
1806 . 36
8320 . 89
2197 . 00
2632 - 43
983 - 49

26,162 - 69

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री ----------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव्य हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

-------------- यहां से काटें ---------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------- मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------- (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

——————————
(पाद्री की सही) ।

310	343	371	404
311	344	372	405
312	345	373	406
313	346	374	407
314	347	375	408
315	348	376	409
316	349	377	410
317	350	378	411
318	351	379	412
319	352	380	413
320	353	381	414
321	354	382	415
322	355	383	416
323	356	384	417
324	357	385	418
325			
336	358	386	
327	359	387	419
328	360	388	420
329	361	389	422
330	362	390	423
331	308 A	391	
332	308 B	392	
333	308 C	393	
12E	308 D	394	
334	308 E	395	
335	363	396	
336	364	397	
337	365	358	
338	366	399	
339	367	400	
340	368	401	
341	369	402	
342	370	403	

119

120

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पादरी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

------------------ यहां से काटें ------------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की -------- मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------- (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ----- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____

(पादरी की सही) ।

NO.

142 ✓
143 ✓
145
146
147 ✓
149
150 ✓
153
156
157
158
159
160
162
163 ✓
165
166 ✓
167 ✓
168 ✓
~~169~~
170
171 ✓
174 ✓
175 ✓
176 ✓
177 ✓
178 ✓
179 ✓
180 ✓

181 ✓
182 ✓
183 ✓
~~185~~ ✓
184 ✓
185 ✓
186 ✓
187 ✓
188 ✓
189 ✓
190 ✓
191
192 ✓
194
195 ✓
196
197 ✓
198 ✓
199 ✓
200 ✓
201 ✓
202 ✓
203 ✓
204
-54 205 ✓

206 ✓
207 ✓
208 ✓
209 ✓
210
211
212 ✓
213 ✓
214
215 ✓
216 ✓
217 ✓
218 ✓
219 ✓
221 ✓
222
223 ✓
224 ✓
225 ✓
226
227 ✓
228 ✓
229 ✓
230 ✓
231 ✓

232 ✓
233
234 ✓
235 ✓
236 ✓
237 ✓
238 ✓
239 ✓
240 ✓
241 ✓
242 ✓
243 ✓
244
245 ✓
246 ✓
247 ✓
248 ✓
249 ✓
250 ✓
251 ✓
252 ✓
253 ✓
254 ✓
255 ✓
256 ✓

257
258
259 ✓
260 ✓
261 ✓
262 ✓
263
264
265 ✓
266 ✓
267 ✓
267A
268
269
270 ✓
271
272 ✓
273 ✓
274 ✓
275 ✓
276 ✓
277 ✓
278
279 ✓
280 ✓
281

282 ✓
283 ✓
284 ✓
285
286
287
288
289 ✓
290 ✓
291 ✓
292 ✓
293 ✓
294
295 ✓
296
297 ✓
298 ✓
299 ✓
300 ✓
302 ✓
303
304
305 ✓
307
308
309 ✓
310

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री ----------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी० के० पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

------------ यहां से काटें ------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____

(पाद्री की सही) ।

M — Minz

528, ~~533~~, 557, 638, 718, 696,

Mundu —

700,

N

O

P

Purti — 610,

S.

~~Sinth — 531,~~
~~531, 532~~,

~~Sinha — 532~~,

T

Topno — 544, 549, 553, 558, 575, 580, 589, 591, 598, 612, 619,
~~Iaaon — 545~~ 625, 635, 703,
693, 692, 691, 681, 678, 676,

Iaaon — 545

345

708

1669

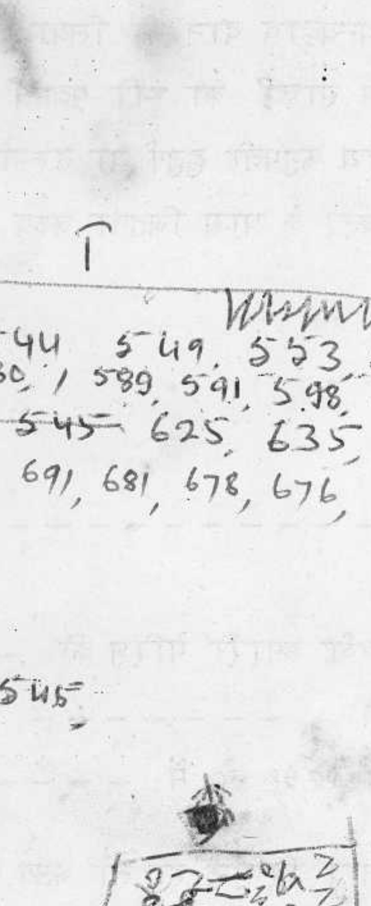

44

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पादी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादी भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षो सा इस **बर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह रतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————

(पादी की सही) ।

Others

Hapadgara - 400,

Narjany 404

Gagrai - 403,

Arohan - ~~4~~10, 688,

Punoria - 413, 686,

Hecker - 419,

Hobbo - 426,

Shal - 459

Maraiya - 577,

Dell - 465

Sundilguria - 475

Asur - 477, 478

Kispotta - 496 614,

Arega - 517

~~Surendra Mohan MG - 525~~

Malgandi - 548,

G. Th. college - 636,

Town - 545

A

Aind -

B

Aind

Barla - 537, 586, 626 654,

~~705~~ 704, 661, 659, ~~[illegible]~~,

Bhuinya - 564 605, 627

Bage - 596, 624, 625, 699, 66[illegible]

~~655~~,

Beding - 616,

Bhengra - 632, 648, 717, 694,

679, 663,

C

D

Dang - 594,

Dungdung - 617,

leg & slug - 116

47

अपील

सुरगुजा-मिशन-क्षेत्र निमित प्रार्थना एवं धन्यवाद दान दिवस

प्यारे भाइयो तथा बहनो,

गत् बरस की तरह इस बरस भी हम आप सभों को सुरगुजा मिशन क्षेत्र निमित प्रार्थना एवं धन्यवाद दान के लिये अपील करते हैं, कि आप लोग इस साल भी अपनी मंडलियों में ऐसा दिवस को धुमधाम से मनायें। बीते साल की अपील से आप को मालूम हो ही गया है कि सुरगुजा मिशन क्षेत्र १९७१ (जनवरी) से गोस्सनर कलीसिया के हाथ आ गया, साथ ही वहां का आर्थिक भार भी हमें दे दिया गया है। अब तक क्षेत्र के लिये अमेरिका के भाई बहनों ने भार उठाया, बीते साल गोस्सनर मिशन ने कुछ भार उठाया फिर भी क्षेत्र के कर्मचारियों को बहुत दुःख उठाना पड़ा है। १९७३ के लिये ऐसा दीखता है कि हमारी सहायता के बिना क्षेत्र की दुर्गति होगी। अभी भी क्षेत्र में ६८ कर्मचारी हैं, जो अम्बिकापुर के ४०-७० मील की दूरी पर इधर उधर १३६ गांवों में कार्यरत हैं। दो छात्र-छात्रावास भी हैं। क्षेत्र में प्रतिवर्ष धर्मखोजक हो रहे हैं और होने की भी सम्भावना है। इस क्षेत्र के कार्य को चलाना कठिन हो गया है। इसकी बढ़ती एवं गोस्सनर कलीसिया की जवाबदेही हमारे सामने है, इस लिये के० एस० एस० एवं सुसमाचार प्रचार विभाग ने इसके लिये कदम उठाया है, आप लोगों से सहायता एवं सहयोग के लिये अपील है।

अत: आप लोगों से अपील है, कि ११ वीं फरवरी १९७३ (एतवार) को पूरी गोस्सनर कलीसिया में सुरगुजा मिशन क्षेत्रा दिवस मनाया जाय, क्षेत्रा के लिये प्रार्थना एवं धन्यवाद दान वेदी पर अर्पण किये जायं कि सुरगुजा मिशन क्षेत्रा आगे भी सम्भाला जाय और वहां का कार्य किसी रीति से रुक न जाय। यह आप की मंडली में भी हो और पाद्रीगण आमदनी को के० एस० एस० खजाने में भेज देवें।

"यदि मैं सुसमाचार सुनाऊं तो मेरा कुछ घमंड नहीं क्योंकि यह तो मेरे लिये अवश्य है और यदि सुसमाचार न सुनाऊं तो मुझ पर हाय" (१कुरि० ९:१६)।

आप लोगों का

पाद्री जे० तोपनो
प्रमुख अध्यक्ष, के० एस० एस०
जी० ई० एल० चर्च, राँची

पाद्री सी० के० पॉल सिंह
डाइरेक्टर सुसमाचार प्रचार विभाग
जी० ई० एल० चर्च, राँची

छोटानागपुर डियोकीस प्रेस, राँची।

735.00
75.00
302.35
4.55
58.80
22.05
175.66
230.41
6.00 35
996.00

3210.17

28/7

2 2 7 3 4

ধারকর্জ

জুলাই - ১৯৬৩ ।

T

घरबन्धु - जुलाई १९७३

सूची —

१. सम्पादकीय —
२. उपदेश की तैयारी —
३. गवाही —
४. "अद्भुत आश्चर्य प्रेम" का अनुभव —
५. मनसुख का हार और हाल छूने का दराड —
६. सच्ची शांति —
७. भक्त की प्रार्थना —
८. भजन — ① + ② —
९ समाचार देश-विदेश —
१०. बंदरों की कहानी —
११. ग्राहकों का चन्दा लिस्ट —
१२. Advertisement — … ny Enterprises —

घरबन्धु — जून ७३। 4

सूची।

1. सम्पादकीय ✓
2. उपदेश की तैयारी ✗
   (a) वर्जित पेड़ – 4
3. (b) विजयी मसीह ✗
4. मण्डली के प्रति नया विचार ✗
५. पांचवी आज्ञा की पुकार
६. (a) हटिया पेरिश –सम्वाद– ✓
   ~~[illegible]~~ —
७. (a) आनन्दपुर क्षेत्र के अन्यजातियों के बीच शुभसंवाद –
   (b) गोस्सनर कलीसिया के प्रचारकों का फेल्सा
८, टकरमा इला का स्वर्ण जयन्ती
९, शोक समाचार
१०. कलीसियाई समाचार —
   देश – विदेश —
११. ग्राहक चन्दा

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ————————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————————

(पाद्री की सही) ।

N - 481,

60. Nag – 481, 667,

61. Narjary

O

62 Oreya

P

63 Purti – 278, 359, 382, 401, ~~424~~, 469, 481, 486, 512, ~~518~~,
523, 603, 731,

64 Philip

Pachak – 706

S

65 Sanad – ~~211~~ 500, 551, 579, 721,

66. Sandil – 644,

67. Sanga 346, 399, 495, 535, 538,

68. Sihan

69. Singh – 531,

70. Sinha – 532,

71. Sinku – 542,

72. Soreng 376,

73. Soy – 211, 334, 345, 348, 449, 550, 641

74 Soymurum –

75 Surin 258, 332, ~~333~~ 402, 405, 450, 462, 502, 507, 524, 585, 629, 639, ~~640~~, 698, 689,

~~Sandigenria 475~~

T

76. Tete 365, 375, 417, 468, 482, 622, 714,

77. Tiga 318, 728, 708,

~~Timling~~

78. Tilming –

79 Tirkey 310, 328, 363, 374, ~~376~~, 526, 574, 633, 645, 726, 675, 672,

80. Tiru 320, 446, 581,

81. Topno ~~352~~ 351, 366, 392, 508, 415, ~~430~~, 438, 439, 444, 519, 511, 509, 451, 452, 458, 460, 471, 473, 479, 489, 493, 508,

82. Toppo 322, 367, 491, 562, 572, 631, 711,

83. Tutti – 683,

V

84. Verma –

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० स्ल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————————
(पाद्री की सही) ।

S. No.	F.
	G.
26.	Guria 335, 378, 504, 618, 723, 710,
	H
27.	Hans
28.	Hasada – ~~525~~, 522
29.	Hassa 611,
30.	Hemrom 311 377 395 461 472
31.	Herenz 389, 584, 725, 671, ~~529~~ 541 566, 592, 719
32.	Horo 323, 416, 431 ~~429~~ 433, 435 463 464, 483, 499, 567 568 623,
33.	Hospital
34.	Headmaster
	J
35.	Jaria
36.	Jojo – 445 536,
	K
37.	Kamal – 440, 647,
38.	Kandir ~~350~~, 541, 684,
39.	Kandulna 319 337 361 423 432, 486, 490, 561
40.	Kendar 285

S. No.	K.
41.	Kerketta 257, 340, 428, 506, 510, 534,
42.	Khalkho 356, 565, 607,
43.	Khakha – 448, 487, 652,
44.	Khess 313, 409, 722,
45.	Kindo – 296, 384 520, 653 670,
46.	Kiro – ~~670~~,
47.	Kongari 388, 457, 522,
48.	Kulla – 429, Kullu 294, 333, ~~394~~, ~~507~~ 407
49.	Kujur 271 273, 364 516 379, 394 ~~437~~ 441 447 503, 513,
	L
50.	Lakra 315, 396, 397, ~~506~~ 406
51.	Lomga 326, 657,
52.	Lugun 385, 454, 455,
	M
53.	Madho – 588,
54.	Marandi 534, 539,
55.	Marki 338
56.	Minz 321, 324 325 368 412, 422, 453 45
57.	Mohan MG 525, 488, 527
58.	Mundu 358, 543, 641, 312
59.	Murmu 533, 540,

Title ↓

S. No.		
1	A –	Aind 307, ~~315~~ 381 414, 484, 720, 702, 701, 674,
2	B –	Baba 411, 582,
3.		Bading – 476
4.		Bage – 233, 342
5.		Bara – 515 492, 347, 369 420, 578
6.		Bakhla 330, 393,
7.		Barla – 314, 427 729, 730
8.		Barjo 331, 372, 373, 474, 498 574
9		Barwa
10		Bhengra 267, 267 A 268, 387, 480
11		Bhuinya 497, 682,
12		Bilung 362, 470,
13		Bodra – 727,
14.		Bor – 687,
15.		Burh 380, 391 418, 555, 712, 664
		Beck 354 546

C

S. No.	
16.	Centre 336
17.	Chairman 371
18.	Champia 349

D

S. No.	
19.	Dang 341, 353 434, 467, 673,
20.	Dangwar 505 – 646
21.	Dhanwar
22	Dahanga – 390, 398
23.	Das – 494, 569,
	Dhan –
24.	Dungdung 339

E

S. No.	
25	Ekka 269, 303, 343, 352, 357, 425, 436, 485, 559, 561, 724, 715,

Newspaper Std /

76

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह
पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री ------------
जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पॉल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------
____
(पाद्री की सही) ।

Bill for Dec 1972

	Dr. Singh	Rev Soy	Driver Hala.		Total.
Salary	375.00	195.00	150.00	?	720.00
All —	75.00	—	—		75.00
T.A. Contg.	-	4.30	—		4.30
P.F.	30.00	15.60	12.00	—	57.60
Pen F.	— 11.25	5.85	4.50	—	21.60
Jeep	-	104.99			104.99
medical	-	-	—	—	—
Miscell.		—	—	—	—
Total	491.25	325.74	166.50		983.49

Ps

157. ① Rev. Amus Bara, G.E.L.C Kinkel
Ranchi — July 73

312 ② Shri Samuel Munda
Retd Forest Ranger.
Sundargarh. May 73

323 - ① Shri John Horo
N. Garden Sorumtoli, Ranchi May 73

330 ① Rev. S. Bakhla
G.E.L. Church, Elizabeth Campd
Ranchi — May 73

674.

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ————————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – –

————————————
(पाद्री की सही) ।

Dr. Riegler-Rittner,
Brot Für Die Welt
7, Stuttgart 1
Stafflenberg Str. 76.

Sub. P-5027 – additional grant for
Water reservoir – Reconstruction.

Sir,

~~So~~ We sent a telegramm on Oct. 23, 1972 — ~~to make correction in the name, 1 (This money and its account is seprate in the Bank accord) to our scheme of the~~ A.T.C. Khuntitoli.

It should be as follows:—

a). Name of the Bank:— UBI Ranchi.

b) A/c No — Current Deposit (Cd) 3057

*) 1) Name of the account:— Electrical & Irrigational Project, A.T.C. Khuntitoli;

*) ~~The name of~~ the account – be rectified — because it is meant for the special project. When this advise be sent to the U.B.I, Ranchi then only I can draw the money. So please do the needful by earliest possible, If possible by a Telegramm.

Yours sincerely,

~~M. E. Kandulna.~~
~~Secy~~ M/C
A.T.C Khuntitoli
~~at~~ Ranchi/Bihar/India

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री – – – – – – – – – – – –
जी० ई० स्ल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर रेसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
H. C. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – – ——————————
(पाद्री की सही) ।

Bill for Nov. 72

1902.60
41.25
1861.35
90.20
1771.15

Jeep Bill. No 2976 = 195.05
31.10.72

41.25
48.95
90.20

	Dr. Singh	Rev Dog	Driver Helan	Total.
Salary	375.00	195.00	150.00	720.00
All.	75.00	—	—	75.00
T.A	86.20	—	—	86.20
Comfy	—	6.35	—	6.35
P.F.	30.00	15.60	12.00	57.60
Pen. F.	11.25	5.85	4.50	21.60
Jeep	59.60	195.05	—	254.65
Medical	86.60	24.13	—	110.73
Miscel	52.95	38.25 / 52.50 / 90.75	—	91.20 + 52.50 = 143.70
Disc			—	
Educ. Machs	1126.00	30.60	—	1156.60
Total	1902.60	510.83 / 52.50	166.50	2579.93 / 52.50
P.F. & Pen. F	82.50	563.33		2632.43

1820.10 — 42.90 P.F. Pen. F.

HR 48.95 — 520.43

1771.15

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में
पाद्री – – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय ! शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में सार्क्ष का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मसोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————
(पाद्री की सही) ।

The Bombay Film Laboratories P. Ltd.
149; S. K. Bole Rd
DADAR.
Bombay 28 (DD.

Re: 16 m.m. Print of Film "Transformed Life"

D/sir,

We acknowledged your letter No 6908/72 dt. 30th Oct. 1972, together with the Gate Pass No EF/241 - dt. 30.10.72 with thanks.

In reference to it we are pleased to acknowledge the receipt of the Parcel, you sent under Postal receipt No 57. (dt. 30.10.72) on 6th Nov. 72, delivered to us in the safe condition of the said film.

Thanking you,

Yours Sincerely,

CK Paul Singh
Director, REL
G. E. L. Church,
Ranchi/Bihar.

CC. to Rev. K.D. Bhasker,
Executive Secretary,
CARAYS
15, Civil Lines;
Jabalpur 6/M.P.

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पादी - - - - - - - - - - - -

जी० ई० एल० चर्च, - - - - - - -

प्रिये पादी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में सार्ब्ब का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

- - - - - - - - - - - - - - - - यहां से काटें - - - - - - - - - - - - - - - - - -

इस बर्ष हमारी पेरिश की - - - - - - - मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी - - - - - - - - जमा हुई और - - - - - - - (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में - - - - जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० - - - - - - - ______________________

(पादी की सही) ।

For October 1972

	Dr Singh	Rev. Sing	Driver ~~Halan~~	Total
Salary	375.00	195.00	150.00	720.00
All	75.00	—	—	75.00
T.A.	46.90	—	—	46.90
Contg.	—	10.45	—	10.45
P.F.	30.00	15.60	12.00	57.60
Por F	11.25	5.85	4.50	21.60
Jeep	562.89	69.80	—	632.69
Bible Society	392.00	—	—	392.00
Medical	141.38 ~~90.88~~	8.50	—	149.88
Miscellan.	90.88	—	—	90.88
	1725.30	305.20	166.50 141.75 24.75	2197.00 ~~1563.43~~ ~~632.69~~ ~~2196.12~~ ~~.88~~

2197.00

33.00
24.75
8.25

10..
8.25
1.75

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री ––––––––––––
जी० ई० स्ल० चर्च, ––––––

प्रिये पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

–––––––––––––––– यहां से काटें ––––––––––––––––

इस बर्ष हमारी पेरिश की ––––––– मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ––––––– जमा हुई और ––––––– (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में –––– जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० –––––––

____
(पाद्री की सही) ।

for September 1972

Bills.

	Dr. Singh	Rev. Soy	Driver Halan	Total
Salary.	375.00	195.00	150.00	720.00
All.	75.00	–	–	75.00
T.A.	19.30	–		19.30
Contg.	–	73.35	–	73.35
P.F.	30.00	15.60	12.00	57.60
Pen F.	11.25	5.85	4.50	21.60
Jeep.		44.10	–	44.10
Medical	160.57	16.38	–	176.95
Miscell.	16.25	~~36.80~~ 41.74	–	57.99
Discretion Advance	7,075.00	–	–	7,075.00
	7,762.37	392.02	166.50	8,320.89
H.R. cti	47.59		33.00	
	7,714.78		133.50	
			153.00	

41.25 × 2
82.50

7,714.78
82.50
7,632.28

16.50
16.50
33.00

153.00
133.50
(19.50)

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पादरी ————————

जी० ई० स्ल० चर्च, ——————

प्रिये पादरी भाई ————————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

———————————— यहां से काटें ————————————

इस बर्ष हमारी पेरिश की ——————— मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ———————— जमा हुई और ———————— (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में ———— जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० ————————

————————————
(पादरी की सही) ।

From Sept. 1971

4/9	G.B. Sale	.45
9.49 / 2-10-71	Advertisement Charge	3.15
13/10/71	G.B. Sale	.70
21/10/71	"	.35
26/11/71	G "	.70
19/6/72	"	.70
8/8/72	"	40.00
10/8	"	.35
	Total	46.40
		24.86
		70.76
		20.00
		90.76
		13.75
	Total Rs	104.51

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पादी --------------
जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पादी भाई ______

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____
(पादी की सही) ।

The Chairman,
T.E.L.C.I. Scholarship Committee
Siloam, Tirukoilur,
South Arcot. Dt.

Dr Sir,

The applications ~~of the~~ forms in quadruple of . . . . 2 . . are herewith being sent with all necessary papers for your consideration & necessary action.

With thanks.

Yours sincerely,

(C.A. Paul Singh)
Secretary.

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह
पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री -----------
जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोवेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोवेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भम्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

————————
(पाद्री की सही) ।

B. Tirkey

4. Pastor & Lecturer in Theol. College

5. a.c. nil.

6. Teaching Service in Theo. Co.

A. Minz

4. nil.

6. For legal advisers for the Church

A. Topno

3. Rev. Rulena Soy.
4. Chaibasa.

4. Youth work of the Church

6. Advisor for development of work of the Church

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____

(पाद्री की सही) ।

5 × 35
175. –

8 (3) 25. 30 –
(25)

The Secy. KSS.

D/Sir,

May we be permitted to lay the following for your kind consideration & favourable order.

That. We the Church Workers of the great city of Ranchi, are over burdened by the economical conditions, due to the up heaval of the rising prices of Commodities.

I Present living Standard – 250/- for Labour p.m. in town. Salary Scale to be revised as. The Govt used to do in every three years or so: the living std. we are less the ...

II D.A. & City allowance – All the citizens who live in Big Towns & cities like, Ranchi, Cal. Delhi, Bombay etc. for for service are benefitted with it, but we the uncared servants of the Almighty are totally bar-out of this facilities. – –

III Cycle Allowance of Church Workers –

& IV House Rent's be given according to the Salary %. –

V Water Rent. Church – Corporation – but we have no water supply – it be arranged so.

VI Latrine – In the cities like Ranchi – if there is no arrangement for Latrine – then it is – Septic Latrines be arranged.

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में
पाद्री ---------------
जी० ई० एल० चर्च, -------

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षो सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी० के० पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

------------------ यहां से काटें ------------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------- (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० --------

____
(पाद्री की सही) ।

Corrigenda

Old Nos to rewrite.

608
677
~~692~~
~~719~~
~~724~~
~~729~~
~~742~~
~~767~~
~~773~~
~~774~~
~~780~~
~~781~~
~~786~~
~~812~~
~~813~~
6 I 1
12 II 2
13 III 3
47 IV 4
51 V 5
56 VI 6
64 VII 7
66 VIII 8
88 X 10
115 XIV 14
117 XV 15
157 XVII 18
160 XVIII 19
183 XIX 20
197 XX 21
255 XXII 23
362 XXVI 27
~~796~~
84 IX 9
~~88~~
110 XII 12

111 XIII 13 681
148 XIV 17 694
226 697
347 XXV 28 724
365 XXVII 29 729
397 XXVIII 731
~~680~~ 747
316 XXII 25 759
226 XXI 22 ~~8~~
272 XXIII 24 773
~~786~~ 774
~~804~~ 780
101 XI 11 781
145 XVB 16 786
~~681~~ 795
796
803
804
812
813 Nov 72.

10 × 3

29
990

10.x2

6
12
13
47
51
56
64
66
84
88
101
110
111
115
117 × 127.
145
148
157
160 ~~160~~ 162
183
197
226
255
272
316
347
362
365 367.
397

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी० के० पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – –

____

(पादरी की सही) ।

28

Ab/- For the month of August. 1972

25/8

Printg + Publicatn	6496 / 24/7	45.59		
	6543 / 16.8.72	630.20		
		675.79		

other 630.20
45.59
675.79

Jeep. 16.84 / 3.00 — 19.84 — at. 5/8.
102.03 — 31/7 — 2110
121.87
19.84
Net 102.03

Particulars.	Dr. Singh	Rev. Soy	Driver Halan	Total
Salary.	375.00	195.00	150.00	720.00
Allowance	75.00			75.00
T. A.	17.25	–	–	17.25
Contingency.	–	10.45	–	10.45
Provident Fund	30.00	15.60	12.00	57.60
Pension Fund	11.25	5.85	4.50	21.60
Medical Exps	66.15	10.85	–	77.00
Jeep Maintenance	49.64	102.03	–	151.67
Discretionary	–	–		–
Miscellaneous Exps.	–	675.79		675.79
Total	624.29	1005.12 10.45 1,015.57	166.50	1795.91 10.45 1,806.36

25.00
20.38
45.38
41.25
86.63
41.25
127.88

30.00
11.25
41.25

62

127.88 +
500.
627.88
624.29
3.59

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री ----------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्रा भाई ------

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव्व हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

------------- यहां से काटें ---------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -----

(पाद्री की सही) ।

No 79/72 Tr. OA 27

D/Sec,

The directive you shown and given ~~then you~~ had been ~~informed~~ by the Office to deal with the Consolidated Bills of your Anchal of the (mission) (JMB) Fields it is regretted to note that you are lacking in this matter. So following points are ~~mentioned~~ noted below for your attention & needful ~~and~~ action.

I To submit the Consolidated Bills in duplicate with careful checking.

II The Consolidated Bill for June & July is withheld till you submit it in proper way.

III To ~~follow guide & be careful about~~ go with the Budget as the meeting expenses & T.A of the Field shows to be leading ~~the~~ top beyond out of the ~~excess~~ Budget ~~of the musical expenses for Anchal~~.

P.S. ~~Our~~ Example of Consolidate Bill is attached herewith.

Yours sincerely,

T.A

Jan.	101.74
Feb	52.75
Mar.	66.40
Apr	168.25
May	85.30
Jun	137.61
	612.05

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १६६६

सेवा में

पाद्री ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १६६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

--------------- यहां से काटें ---------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १६६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____
(पाद्री की सही) ।

$$\frac{73.85 \times 20}{100}$$

$$7.385 \times 2 = 14.770$$

$$73.85 - 14.77 = 59.08$$

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

230.00
74.00
304.00
71.00
375.00
59.00
434.00
35.00
469.00
32.00
501.00

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी ------------

जी० ई० स्ल० चर्च, ------

प्रिये पादरी भाई ___________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा ... बाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती ... र्ती का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या ... बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट ... तना जल्द हो सके भेजें ।

... आप का

... पौल सिंह)

... टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

इस ... शन पर्व्व मनाया गया । कुल
आ ... (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की
गयी ... ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क त... जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____

(पादरी की सही) ।

55-0 ①

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पादरी भाई ________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____
(पादरी की सही) ।

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३–११) में आप सब ही भाई–बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई–बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से – परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से – हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई–बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया – दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये – परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार–प्रचार–बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार–प्रचार–बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई–बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार–प्रचार–काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

3 Copies

BEL. Central Budget 1975

		Rs		
1. Salary:			P. Annum	
a) Director's	@ 405.	405.00	4,860.00	
b) Director's allowence	75	75.00	900.00	
c) Assistant's	210	210.00	2,520.00	
d) Driver	150	150.00	1,800.00	
	Total	840		10,080.00
2. Provident Fund (Manager's Contr.) 1975				
a) Directors		32.40		
b) Assistant's		16.80		
c) Driver		12.00	61.20	734.40
3. Penson Fund (M/C)				
a) Directors		12.15		
b) Assistants		6.30		
c) Driver's		4.50	22.95	275.40
4. Contingency	50/-			600.00
5. Publication				3000.00
6. Refresher Course				5000.00
7. JEEP Maintenance				5000.00
8. T. A.				2500.00
9. Unforseen				2000.00

(26)

27.490.00

Total Rs. 29,189.80

18,100.00

300 for two

Cont. 600.00
Publication 3000.00
T.A. 2500.00
Jeep main 5000.00
Unforsen 2000.00
Ref

300 hundred

405
210
150
765

for two

300 hundred for

two

300 hundred for two

300 hundred for two

300. hundred for two.

300. hundred for two.

2
0
0

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक 2-986

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री ---------------

जी० ई० एल० चर्च, ---------

प्रिये पाद्री भाई ---------------

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब[illegible]लियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की -------- मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी -------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० --------

____

(पाद्री की सही) ।

SEA

Adv.

4000.00
4600.00
2500.00
1800.00

Ja. 5056.51 — 100.00 — 5,156.51
5004.39 — 184.76 — 5189.15
4872.59 — 158.85 — 5031.44
5011.82 — 326.35 — 5338.17
5095.35 — 215.47 — 5310.82

Constr. 4,300.00 ✓

4988.52 — 71.95 — 5060.47 ✓
6553.62 — — 6553.62 ✓
5234.82 — 5234.82 ✓
5688.17 — 5688.17 ✓
5568.71 — 200.00 — 5768.71 ✓
6238.91 — 100.00 — 6338.91 ✓

34272.75 ✓ 371.95 ✓ 34644.70 ✓

371.95
34644.70 //

due Budget
3595.44
371.95
3223.49
5060.47 —
71.95
8.52

89800.00
34644.70
55155.30 //

BEL Centre

Budget.
27490.00
10299.38
17190.62 //

Total
2586.69
1683.17
1,165.84
1472.75
1725.21
1665.72
10299.38 //

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलुस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेष अधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है। आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग विलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी। अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है। अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्राथना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे। इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी के पौल सिंह

N.W.A.

	Bill not Paid	Field Incom	Total Bill
1 J	4026.58	800.00	4826.58
2 F	~~4411.18~~ 4521.48 ~~4539.04~~	579.51	5100.99
		427.35	4952.19
3 M	4524.84	504.85	4794.50
4 Ap	4289.65	226.56	4755.73
5 m	4229.17	567.85	8944.55
6 Jun	8376.70		
	~~30020.58~~ 29868.42	3406.12	33374.54 Total

Inc 4000.00
3406.12
593.88 //

Budget 59479.04
33374.54
26104.50 //

Orissa Anchal.

1	1787.63	246.03	2033.66
F	2030.38	120.05	2150.43
m	2001.13	134.08	2135.21
A	2070.90	142.13	2213.03
May	1894.[illegible]	165.53	2060.06
Jun.	2704.60	214.88	2919.48
	12489.17	1022.70	13511.87

Assam.

867.15
784.90
644.20
700.20
1080.10
4076.55

Funds 41,000.68
13,511.87
Balance 27488.81 //

Inc
2000.00
1022.70
977.30 //

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी० के० पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————————
(पाद्री की सही) ।

Surguja 1974

mths	Bill ref. chalan, paid	Income	Bill
	7690.96	—	7690.96
Jan	7690.96		7690.96
Feb.	7640.96	725.00	8365.96
Mar.			~~8690.96~~
Apr.	6733.14	957.82	7690.96
May	6790.96	900.00	7690.96
June	6632.49	1058.47	7690.96
			~~7690.96~~
	43179.47	3641.29	46820.76

43179.47
3641.29
46820.76
~~40095.76~~
1650.40

N.D. Inc.
10000.00
3641.29
6358.71

Budg. 86916.68
46.820.76
40095.92

Assam (Mikir Hills)

Jan – 867.15
Feb – 784.90
Mar. 644.20
Apr. 700.20
May 1080.10
4076.55

Jun

Budget. 36,500.00
4076.55
32423.45

Inc
173.40

173.40

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाइरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयों तथा बहनों,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलुस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है। आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी। अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल आटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है। अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हम इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि आटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे। इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी के पॉल सिंह

Baghima (Khuhtoli) 1974.

net. Po...

519.01 — 175.99 - 695.00

695.00

Budget. - 4589.40

695.00

~~0000~~

3894.40

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में
पादरी ------------
जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पादरी भाई ————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भम्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

---------------- यहां से काटें ----------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ------- जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

————————
(पादरी की सही) ।

31.60	16.40
11.85	6.15
25.00	6.00
	5.99
68.45	34.54

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलस प्रेरित की तरह (२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्बाधिकार पर आधारित है। आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी। अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन, मन, धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दाम बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह वर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है। अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं, तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोशनर गोशनर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाएं जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे। इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी के पॉल सिंह

Bill for. November 1973

	Dr. Singh	Rev. Soy	Driver Tokno	Total.
Salary.	385.00	200.00	150.00	735.00
Allowance	75.00			75.00
T.A.				
Contg.	–	49.35	–	49.35
P.F.	30.80	16.00	12.00	58.80
Pen F	11.55	6.00	4.50	22.05
Jeep	126.30	–	–	126.30
Medi	204.24	63.35	–	267.59
Miscl.	110.50	7.50 212.08 51.80 95.00 5.00 (325.38)	–	~~427.88~~ 432.88 435.88
	943.39 42.35 901.04	669.98 660.08 659.08	166.50	1,769.97

Bill for Dec. 1973

	Dr. Singh	Rev. Soy	Driver Tokno	Total.
Salary	385.00	200.00	150.00	735.00
Allow.	75.00	–	–	75.00
T.A.	13.25	–	–	13.25
Contg.	–	52.35	–	52.35
P.F.	30.80	16.00	12.00	58.80
Pen F	11.55	6.00	4.50	22.05
Jeep.	277.30	–	–	277.30
Medi	–	–	–	
Miscl.	83.92 CARAVS	516.90 512.00	–	1112.82
	876.82	1303.25	166.50	2,346.57

Rupees Two Thousand Three Hundred Forty six and Paise Fiftyseven only

R. D. Soy 14.1.74

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक 1028.90

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह रतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी० के० पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – ____________________

(पादरी की सही) ।

Pj. Cont. 95.00
Equip. 212.00
New Life. 5.80
Tyt. Writ. 5.00
Medi. 63.95
381.25

10.00 Rev
500.00 Conv
2.50 Rech
514.40

59.35
Para

Bill for September. 1973.

	Dr. Singh	Rev. Sny	Div. Tofno		Total
Salary.	385.00	200.00	150.00	=	735.00
Allowance	75.00	–		=	75.00
T. A.	28.60	–	–	=	~~28.60~~
Contg.	–	31.30			31.30
P. F.	30.80	16.00	12.00	=	58.80
Pen. F.	11.55	6.00	4.50	=	22.05
Jeep.	89.27	–	–		89.27
Medic.	62.08	–	–		62.08
Miscel.	248.66	–	–		248.66
Adv. Ref. Course	5,000.00	–	–		5,000.00
	5930.96	253.30	166.50		6,350.76
					~~28.60~~
					~~6,349.76~~

October

Sala.	385.00	200.00	150.00	735.00
Allow	75.00			75.00
T. A.	~~20.00~~	–		19.05 ~~20.00~~
Contgt	19.05	36.25		~~55.30~~ 36.25
P. F.	30.80	16.00	12.00	58.80
P. F.	11.55	6.00	4.50 (16.50)	22.05
Jeep	133.25 } 477.45	–	–	477.45
medi	344.20 }			
Miscel }	2212.63	56.60 } 128.60	–	~~2,268.43~~ 2,341.23
Adv. Ref. C.	3000.00	Ref course 72.00	–	3,000.00
	6211.48	386.85	166.50	6,764.83

~~830.00~~ 829.05

9.65 / 17.10

5,818.68

150.00
133.00
17.00

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाइरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

From: Director, B. E. L.
G. E. L. Church, Ranchi, Bihar

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों [illegible] प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह (२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य [illegible] हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधुता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी । अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें । जहां तक बन पड़े अपने तन, मन, धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल आटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया [illegible] है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं, तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि आटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपूर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन

सी के पौल सिंह

Collections for "Gharbandhu" Cash
By with Dr. Singh

Date	Sl. No GB	Amount
January 23, 74	(657)	Rs. 4.00
	(658)	4.00
	(659)	4.00
	(660)	4.00
	(661)	4.00
	(662)	28.00
	(663)	4.00
2 " 28, "	(695)	4.00
	(696)	4.00
	(697)	4.00
February 19, 73	(732)	8.00
	(733)	4.00
	758	4.00
" 27 "	759	4.00
	760	8.00
	761	4.00
	762	4.00
March 1, 73	765	30.00
" " "	(788)	4.00
	(789)	8.00
16 "	(801)	4.00
July 26	(916)	4.00
	(917)	4.00
	(918)	8.00
	(958)	4.00
Aug 7, 73	(965)	4.00
" 14, "	(971)	

Total Rs. 170.00
6.50

Rupees One Hundred and ~~Seventy~~ and Paise ~~nil~~ only

Total Rs. 176.50

Rupees One Hundred and Seventysix and Paise Fifty.

To
Andal Adhyaksh

Dear Sri,

In connection with Sugaya field I have to state the following points for your attention and action.

(a) Income: The Sugaya has to bring up Rs. 10,000/- for 1974 as per our half yearly a/c the field is behind the schedule. Centralised amount is Rs. 4493.74 i.e. Rs. 506.26 behind.

(b) Construction: I have already sanctioned the amount under this item no amount can be sanctioned unless income is raised or money is found out from any other source. Hence the application of the supervisor dt. 26.6.74 can be granted. If for any work further proper sanction / authority be obtained.

(c) The NWT has help is expected from AEL to contribute Rs. 10,000/- to complete the budget (1974) for Sugaya field. But now no amount has been given. Please look into the matter, lest Sugaya field be put into trouble by the end of the year.

(d) Arear: The Sugaya is to receive the total arear of 1973 as granted. As we are also intending to give [illegible] in Rebate, the same will be given from the balance of previous years. There the total field income, expenditure received from other sources (KSS, NWT, etc.) and the amount to be given to the undersigned –

and the arear will be given as per a/c.

Field income 1974
(Jan - June)

Bill	Income	
Bill. Jan.	Jan.	Rs. 852.45
Bill. Feb.		725.00
March	Feb.	957.82
April	March	900.00
May	April	1058.47
June	May	
		Rs 4493.74
		5000.00
		506.26

(d) The arear (1974): the undersigned has regularly recommended the total bill for payment, therefore the account has to clarified by the paint ~~Rs 55~~

Mukka Bill, Nehamel, Income June

7, 1

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में
पाद्री ––––––––––
जी० ई० एल० चर्च, ––––––

प्रिये पाद्री भाई ––––––––

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन–पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार–प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

–––––––––––––––– यहां से काटें ––––––––––––––––

इस बर्ष हमारी पेरिश की –––––– मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ––––––– जमा हुई और –––––– (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में –––– जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० –––––––

––––––––––––––
(पाद्री की सही) ।

883 - 90 - 8 - 2 .16

.10

10

891 1 .10

2

892 - 96 5 .10

30.80
11.55
25.00
13.56
80.91

200.00
33.98
166.02

1 10

894 2 2.44

898 - 967 72

460.00
80.91
379.09

Convenience 7.00

130
128
2 .10

5
2

Extra

Bill for August 1973

	Dr Singh	Rev. Sy	Sive Halan	Total
Sal.	385.00	200.00	150.00	= 735.00
All.	75.00	-		75.00
T.A.	26.50	-		26.50
Contg.	-	14.25	-	14.25
P.F.	30.80	16.00	12.00	= 58.80
Rev. F	11.55	6.00	4.50	= 22.05
Jeep.	263.97	-	-	= 263.97
Med	46.83	-	11.64	= 58.47
Misel	165.01	-	26.45	= 191.46
Adv. 1 Slides	700.00			
2 Proty	3000.00	-	-	3,700.00
	4,704.66	274.34	166.50	= 5,145.50
P.F. Rev. F	84.70	44.00	33.00	
	4,619.96	230.34	133.50	
H.R. etc.	38.56	11.98	128.00	
	4,581.40	218.36	5.50	

58.80
22.05
80.85
161.70

From Director, B. E. L., ... /Bihar.

मिशन पर्ब्ब (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित, कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों [illegible]बीच प्रचार कर सकें [illegible]

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया [illegible]। अत: आज जब हम मिशन पर्ब्ब के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

Assistant to the Director, B. E. L., G. E. L. Church, Ranchi.

677 –	1	10	.10
678–734	57	2	1.14
735	1	10	.10
736–38	3	2	.06
739	1	40	.40
340–46	7	2	.14
746–48	3	10	.30
749–64	16	2	.32
765–66	2	10	.20
767–83	17	2	.34
784	1	5	.05
785–801	17	2	.34
802–806	5	2	.10
807–	1	10	.10
808–13	6	2	.12
814	1	10	.10
815–25	11	2	.22
826–	1	10	.10
827–852	26	2	.56
free	10	2	.20
[illegible] =	1	25	.25

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादी – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन–पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार–प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____

(पादी की सही) ।

450, 461, 462, ~~3~~	3	2	.06
463-4 496	34	2	.68
	1	10	.10
497			.14
498-501	7	2	.10
	1	10	
501		2	.10
506-10	5	10	.10
	1		
511		2	1.62
	81		
512-92		.25	.25
592 (one bundle)		2	.36
594-611	18	10	.10
612	1	2	.20
613-22	10	10	.10
623-	1	2	.24
624-35	12	10	.10
636	1	2	.36
637-54	18		.12
656-61	6	2	.14
663-69	7	2	.05
670	1	5	.12
671-76	6	2	

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयों तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व क[illegible]सिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों क[illegible] प्रचार कर सकें ।

पौलुस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग विलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरे[illegible] की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया [illegible] । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पौल सिंह

V | W | x | Y | z

119

49 x 2 / 98 — 10x

245 / ~~490~~ x 5/2

98 / ~~490~~ x 2 / 5

196

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेट्ररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

(हस्ताक्षर)

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____

(पाद्री की सही) ।

A

668 Ai
724 ''
740 ''
767 ''
748 Ai
228 Ai
241 ''
307 ''
316 ''
381 ''

B

~~B~~
338
305 (1)
314 (3)
330 (3A)
331 (4B)
342 (1)
347 (1)
354 (5)
362 (7A)
3083 (4)
369 (1)
372 (4B)
373 (4B)
380 (7)
387 (5)
391 (7)

B

677 (1)
678 (A) (3)
699 (3)
705 (3)
717 (1)
721 (1)
716 (2)
764 (3)
769 (5)
776 (3)
782 (4)
786 (2)
788 (1)
797 (2)
802 (1)
804 (1)
18 (3)
29 (3)
37 (3)
48 (1)
49 (7)
54 (6)
57 (5)
59 (1A)
72 (1)
89 (7)
94 (5)
102 (3)
103 (5)

C

317
336
349
371
383

~~B~~
111 (3)
112 (1)
117 (3)
118 (1)
138 (6)
151 (3)
157 (2)
179 (4A)
180 (3A)
181 (4)
195 (1)
197 (5)
200 (5)
214 (3)
224 (6)
227 (3)
233 (1)
243 (7A)
245 (1)
264 (3)
267 (5)
267 (5)
268 (5)
289 (1)
298 (5)
299 (7B)
300 (7B)

D

674
748
758
768
808
~~15~~
~~38~~
~~43~~
~~47~~
~~78~~
~~139~~
~~164~~
~~187~~
~~276~~
~~280~~
~~287~~
~~292~~
~~334~~
341
~~358~~
~~340~~

E

688
704
~~707~~
741
792
34
35
96
107
120
158
192
207
237
266
269
295
303
309
343
352
357
360

218 Pay 308

F

H

~~182~~
~~184~~
190
~~143~~
~~208~~
~~255~~
~~305~~
~~311~~
~~323~~
~~353~~
~~377~~
~~389~~

G

702
69
113
155
168
244
266
301
335
378

K

~~300~~
~~313~~
~~319~~
~~327~~
~~229~~
~~333~~
~~337~~
~~340~~
~~344~~
~~360~~
~~366~~
~~367~~
~~308A~~
~~308B~~
~~364~~
~~374~~
~~384~~
~~388~~

H

673
~~729~~
~~731~~
~~732~~
~~733~~
~~743~~
~~744~~
~~751~~
~~765~~
~~774~~
~~785~~
~~783~~
~~790~~
~~820~~

I

K

~~166~~
~~169~~
~~172~~
~~179~~
~~183~~
~~184~~
~~203~~
~~216~~
~~223~~
~~231~~
~~238~~
~~257~~
~~240~~
~~249~~
~~248~~
~~250~~
~~254~~
~~257~~
~~259~~
~~261~~
~~262~~
~~271~~
~~273~~
~~284~~
~~285~~
~~294~~
~~296~~
297

31
32
36
45
48
61
~~64~~
70
84
108
~~123~~
~~124~~
127
137
~~152~~
171

J

89
104
114
121
175
252

K

~~2~~
~~11~~
~~4~~
~~10~~
17
~~25~~
~~27~~
~~41~~
~~52~~
~~58~~
~~65~~
~~71~~
~~77~~
~~82~~
~~89~~
~~95~~
~~100~~
~~101~~
~~106~~
~~122~~
~~133~~
~~135~~
~~136~~
~~142~~
~~147~~
~~150~~
153

K

676
696
696
~~701~~
~~707~~
~~709~~
~~712~~

L

672
678
708
~~750~~
773
791
714
~~715~~
~~720~~
~~723~~
~~726~~
~~734~~
~~746~~
~~753~~
~~754~~
~~755~~
~~756~~
~~759~~
~~762~~
~~784~~
~~796~~
~~798~~
~~799~~
812
816
~~821~~

M

680
697
718
715
746
759
766
815
818
7
12
13
21
22
55
68
73
83
95
105
116
137
160
162
166
178
185
201
208
204

N

140
771
~~772~~
777
778
807
34
42
43
53
63
91
98
110
125
148
154
161
163
188
194
196
199
205
242

O

~~781~~

L

~~220~~
223
226
243
315
326
385

346
397

P

675
~~749A~~
~~793~~
~~806~~
819
60

M

251
256
277
318
321
324
325
338
358
368

(149)

Q

130
141
176
214
270
278
359
388

T

386
391

R

814
817
1
3
5
6
8
11
16

T

167
170
173
174
186
191
198
204
212
217
218
221

I

291
304
308
310
318
320
322
328
351
308A
308E
363
365
366
367
370
374
375

S

~~608~~
690
700
703
773
719
722
~~498~~
19
20
23
26
28
30
39
40
44
50
51
56
74
79
225
229
230
231
232
236
246
247
263
265
272
274
275
281
283

T

667
679
682
689
692
693
698
706
~~760~~
~~761~~
~~778~~
~~788~~
~~787~~
~~789~~
~~801~~
~~808~~
~~809~~
~~810~~
81
85
87
92
128
144
145
146
149
154

710
711
727
730
734
735
736
737
738
742
747
749
752
763
770
779
794
800
803
811
81

U

115
126
131
132
134
143
~~206~~
~~210~~
~~211~~
~~213~~
~~216~~
~~238~~
~~253~~
~~258~~
~~279~~
~~282~~
~~286~~
~~290~~
~~308~~
~~323~~
~~330~~
~~44~~
~~53~~
~~62~~
~~66~~
~~67~~
~~75~~
~~76~~
~~80~~
~~90~~
~~97~~
~~99~~
~~104~~

345
348
348
356

548

3233-VI/ 3383

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयों तथा बहनों,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों ...न प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग विलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य ... हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया ... । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो ह... इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को हम और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाएं जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी० के० पौल सिंह

767-83	17	2	.34
	1	3	.05
784			.34
785-801	17	2	.10
	5	2	.10
802-806			
	1	10	.12
807-d	6	2	.10
808-13		10	.22
814	1	2	.10
815-25	11	10	.52
826-	1	2	.56
827-832	26	2	.20
853-882	28	2	.25
free	10	25	
Germany	1		

Total

			28
Less		2	.16
883-90	8	10	.10
891-	1	2	.10
892-96	5	10	1.0
97	1		
898			
969	72 -	2	1 .44
			1.90
Qhr	5/2		.10
			2.00

1. Baaling (1)
2. Bage (2)
3. Basa (3A)
4. Bakhla (3)
5. Barla (4B)
6. Barjo (4A)
7. Barwa (5)
8. Bhengra (6)
9. Bhuinya (7A)
10. Bilung (7B)
11. Bodra (7)
12. Burh

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **बर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पॉल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____
(पाद्री की सही) ।

612-	1	10	.10
613-22	10	2	.20
623-	1	10	.10
624-35	12	2	.24
636	1	10	.10
637-54	18	2	.36
655-	1	25	.25
656-61	6	2	.12
663-69	7	2	.14
670	1	5	.05
671-76	6	2	.12
677	1	10	.10
678-734	57	2	1.14
735	1	10	.40
736-38	3	20	.06
739	1	40	.40
340-46	7	12	.14
746-48	3	10	.30
749-64	16	2	.32
765-66	2	10	.20

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों [illegible]च प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य [illegible] हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया [illegible]। अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो [illegible]स बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को [illegible]र भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर [illegible]श्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

Free India 10 - 2 .20

Germany 1 25 .25

— 7.00

Commerce

.28

Less —

433 .10
434 2
438 5
441 .34
444 2 .10

446 - 462 17
10 .68
462 1
2 .10
463 - 496 34
10 .14
497 1
2 .10
498 - 401 7
10 .10
501 1
2 .10
506 - 10 5
10 1 .62
511 1
2 .25
512 - 92 81
25
592 (one bundle) .36
2
594 - 611 18

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी ————————

जी० ई० एल० चर्च, ——————

प्रिये पादरी भाई ————————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस बर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिं

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

———————— यहां से काटें ————————

इस बर्ष हमारी पेरिश की —————— मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ———————— जमा हुई और —————— (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ———— जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० ————————

————————————
(पादरी की सही) ।

No. of Copies		Postage	Amount
671-76	6	2	·12
		10	·10
677	1	2	1 ·14
678-734	57	10	·10
735	1	2	·06
736-38	3	40	·40
739	1	2	·14
740-46	7	10	·30
748-48	3	2	·32
749-64	16	10	·20
765-66	2	2	·34
767-83	17	5	·05
784	1	2	·34
785-801-17		2	·10
802-806	5	10	·10
807	1	2	·12
808-13	6	10	·10
814	1	2	·22
815-25	11	10	·10
826	1	2	·52
827-852	28	2	·56
853-882	28		

मिशन पर्व्व (१६६६) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोवेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार - प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १६६६ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १६७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पौल सिंह

6 — 2 — .12

417-462 45 — 2 — .90

.10

462 — 1 — 10 — .68

41/46

463-496 — 34 — 2 .10

497 1 10 .74

498-401 — 7 — 2 .10

501 1 10 .10

506-10 5 2 .10

511 1 10 .62

512-92 81 2 .25

592 — (one bundle) 25 .36

594-611 18 2 .10

612 — 10 .20

613-22 10 2 .10

623 — 1 10 .24

624-35 12 2 .10

636 — 1 10 .36

637-54 18 2 .25

655 1 25 .12

656-61 6 2 14

663-69 7 2 .05

670 1 5

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत वर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोवेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस वर्ष की पंजिका में २री नोवेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पौल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस वर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____
(पादरी की सही) ।

749-64	16	2	.32
765-66	2	10	.20
767-83	17	2	.34
784-	1	5	.05
785-801	17	2	.34
802-806	5	2	.10
807-	1	10	.10
808-13	6	2	.12
814	1	10	.10
815-25	11	2	.22
826	1	10	.10
827-852	26	2	.52
853-882	28	2	.56
Free India	10	2	.20
[illegible]	1	25	.25
			7.00
Commerce			20.49
			28
Less	14		

[illegible]

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरैक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों [illegible]ीच प्रचार कर सकें ~~।~~ ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से – परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से – हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार – प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते वर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया – दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये – परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस वर्ष और आने वाले वर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल औटोनोमी स्वर्ण जुबिली वर्ष है, परन्तु यह वर्ष सुसमाचार-प्रचार-वर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-वर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया [illegible] । अत: आज जब हम मिशन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो [illegible] इस बात की भी ख्याल रखना चाहिये कि औटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को [illegible] और भी अधिक सच्चाई से करें और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचार-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पॉल सिंह

512-92	81	2	1.62
593- (One hand)		25	.25
594-611	18	2	.36
612-	1	10	.10
613-22	10	2	.20
623-	1	10	.10
624-35	12	2	.24
636-	1	10	.10
637-54	18	2	.36
655	1	25	.25
656-61	6	2	.12
663-69	7	2	.14
670-	1	5	.05
671-76	6	2	.12
677-	1	10	.10
678-734	57	2	1.14
735 +	1	10	.10
736-38	3	2	.06
739-	1	40	.40
740-46	7	2	.14
746-48	3	10	.30

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल [illegible]दनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————
(पाद्री की सही) ।

790-806 17 2 ·34

·50

25 2

Extra ·20

2

Free — Eqn India 10 ·25

2.5 8·00

Germany 1

Coverance etc. ~~6~~ 21 ·15

~~[illegible]~~

·50

Less Hand Posts · ·20

~~[illegible]~~

·36

2

18

·40

10

4 ·36

2

384-401 18 ·10

10

402- 1 1·18

2

403-461 59 ·10

10

·68

462 — 1 2

463-96 34 ·10

10

497- 1 ·14

2

498-404 7 ·10

10

501- 1 ·10

2

506-10 5 ·10

10

511 — 1

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पॉल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – – –

____
(पाद्री की सही) ।

613-22	10	2	.20
623-	1	10	.10
		2	.24
624-35	12		.10
636-	1	10	.36
		2	.25
637-54	18	25	.12
655-	1	2	.10
656-61	6	10	.14
662-	1	2	.5
663-669	7	5	.10
670-	1	2	
671-75	5	—	.10
676	—	10	1.08
677	1	2	.06
678-731	54	2	.10
732-34	3	10	.06
735-	1	2	.40
736-38	3	40	.14
739-	1	2	.30
740-46	7	10	.32
747-48	3	2	.20
749-764	16	10	.34
765-66	2	2	.05
767-83	17	5	.10
784	1	2	
785-789	5		

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पॉल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

————————————

(पादरी की सही) ।

	No. of Copies	Postage	Amount
286 } 87 } 88 }	3	2+ —	.06
230-33	4	2 —	.08
334-61			

	No. of Copies	Postage	Amount
286-88	3	2	.06
230-33	4	2	.08
334-61	32	2	.64
362-81	20-	2	.40
382-83	2	10	.20
384-401	19	2	.20
402-	1	10	.38
403-461	59	2	.10
462-	1	10	1.18
463-96	34	2	.10
497-	1	10	.68
498-504	7	2	.10
505-	1	10	.14
506-10	5	2	.10
511	1	10	.10
512-592	81	2	.10
593-	1	10	1.62
594-11	18	2	.25
612-	1	2.5	.36
		2	.10
		10	

5/-, 4/6, 2/-, 4/-, 8/-, 1/-, 1/-, 5/-, 4/-, 5/-

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह
पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में
पादरी – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव्व हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी० के० पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____
(पादरी की सही) ।

Bill July 1973

30/7/73

	Ds Singh	Rev Sing	H Tofono	Total
Sal.	385.00	200.00	150.00	735.00
All.	75.00			75.00
			(810.00)	
T.A.	8.90	—	—	8.90
Contg.		41.35		41.35
P.T.	30.80	16.00	12.00	58.80
Pen/T	11.55	6.00	4.50	22.05
	42.35	22.00	16.50	
Jeep	17.85	—		17.85
Medi	123.82	19.13		142.95
Med	242.72	43.90	—	286.62
	895.64	326.38	166.50	1388.52

385.00
75.00
460.00
42.35
417.65
242.72
123.82
17.85
8.90
810.44
36.19
774.75

30.80
11.55
42.35

150.00
16.50
133.50

30.8.

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १६६६

सेवा में

पादरी ————————

जी० ई० एल० चर्च, ————

प्रिये पादरी भाई ————————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १६६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पाल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

———————— यहां से काटें ————————

इस बर्ष हमारी पेरिश की ———— मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ———— जमा हुई और ———— (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १६६६ ई० में ———— जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

तारीख ————

————————
(पादरी की सही) ।

Bill for June 1973

	Dr. Singh	Rev. Sing.	Dinesh Topno	Total
Sala	385.00	200.00	150.00	= 735.00
All	75.00	—		= 75.00
T.A.	-302.35	—	—	= 302.35
Conv.		4.55	—	= 4.55
P.F.	30.80	16.00	12.00	= 58.80
Pan F	11.55	6.00	4.50	= 22.05
Jeep	~~163.35~~ 175.66	27.66 ~~18.66~~	—	= 175.66 ~~163.35~~
medi.	202.75	447.00 ~~444.10~~	—	= 230.41 ~~610.35~~ ~~607.45~~ 610.35
Miscl.	163.35	996.00	—	= 996.00
CARAVS	—			
	1336.46	1,689.31	166.50	2,895.96
				-302.35
				3198.31
				~~3198.27~~
				3210.17

1687
1697.21
996.00
801.21

128.00
38.50
P.F 16.50
Pan F 22.00
16.50

385.00
75.00
302.35
175.66
202.75
163.35
1304.11
P.F. / Pan F 42.35
1261.76
HR. 25.00
1236.76
Elec. 11.54
1225.22

1697.21
250.00
1447.21
P.F. & Pan F 22.00
1425.21
HR. 11.09
1414.12
CARAVS 996.00
418.12
200.00
218.12

150.00
128.00
22.00
5.50 16.50
5.40 *5.50
10
*5.40

200.00
4.55

200.00
4.55
204.55
16.00
220.55
6.00
226.55
27.66
254.21
447.00
701.21

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

पत्र क्रमांक

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।
ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पादी – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादी भाई ————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश की – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

(पादी की सही) ।

Bill for May 1973

	Dr. Supt	Rev Eng	Driver Halan		Total
Salary	385.00	200.00	150.00	=	735.00
All.	75.00	—	—	=	75.00
TA	—	—	—		—
Contg.					
P.F	30.80	16.00	12.00		58.80
Pen F	11.55	6.00	4.50	=	22.05
Jeep	(42.35)	287.00	—	=	287.00
medical	—	92.50	—	=	92.50
miscel	—	~~138.36~~ 154.86	—	=	~~138.36~~ 154.86
Total	502.35	756.36	166.50	=	1426.21
Less Jeep	Advance	~~287.00~~			287.00
		Net Rs.			1,139.21

~~Less Advance Jeep~~ [1426.21] ~~287.00~~ 121.71

385.00
75.00
460.00
42.35
P.F.L 417.65
Pen F. 38.67
Apr. 378.98
37.84
May 341.14

42.35
38.67
37.84
118.86
460.00
118.86
341.14

150.00
25.00 Refund
125.00
100.00
25.00
3.00
22.00
16.50
5.50

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६९

सेवा में

पाद्री ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६९ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

--------------- यहां से काटें ---------------

इस बर्ष हमारी पेरिश की ------ मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी ------ जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६९ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

————————
(पाद्री की सही) ।

Bill for April 1973

	D.Singh	K.D.Sy	Haldu	Total
Salary	385.00	200.00	150.00	735.00
Alloo	75.00	—	—	75
DA.		—		—
Contg.	—	4.40	—	4.40
P.F.	30.80	16.00	12.00	58.80
Ren F	11.55	6.00	4.50	22.05
Jeep	—	65.50	—	65.50
Medical	—	—		
Miscel.	~~182.50~~	182.50		182.50
	502.35	474.40	166.50	1143.25

166.50
156.00
10.50

385.00
75.00
460.00
42.35
417.65

6.55

3.00
Adv. 100.00
103.00
20.00
123.00
Ren F 33.00
156.00

Payment for
the month of April 1973.

Rev. Dr. C.K. Paul Singh
Director, B.E.L.

1. Salary	... Rs.	385.00
2. Allowance		75.00
Total.	Rs.	460.00

Less :-

a) P.F. Rs. 30.80

b) Pen. F. 11.55

42.35

Net. Amount Rs. 417.65

Rupees Four Hundred and Seventeen and Paise Thirty-Five only.

[signature] 1/5/73

Asstt to
The Director, BEL.

सुसमाचार – प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटेरी
रेम० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० स्ल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ——————

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्ब्ब मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भम्व हो तो इसी दिन (सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्ब्ब मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्ब्ब का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पाल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटेरी, बी० इ० स्ल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश – – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्ब्ब मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

———————————

(पादरी की सही) ।

Bill for March 1973.

	Dr. Singh	Rev. Sny	Driver Halan topass		Total	
Salary	385.00	200.00	150.00	=	735.00	
				=	75.00	810.00
All.	75.00	—				
TA	26.1[illegible]	—	—	=	26.10	26.10
Contg.	—	7.20	—	=	7.20	7.20
P.F.	30.80	16.00	12.00	=	58.80	80.85
Pen.F.	11.05	6.00	4.50	=	22.05	
Jeep	222.40	—	—	=	222.40	222.40
Medical	90.52	4.00	—	=	94.52	94.52
Miscell.	27.27	Conv. 26.00 / 2.00	—	—	55.27	55.27
	868.64	261.20	166.50		1296.34	

868.64
36.26
832.38
84.70
747.68

735.00
75.00
810.00
26.10
836.10
7.20
843.30
58.80
902.10
22.05
924.15
222.40
1146.55
94.52
1241.07
55.27
1296.34

27.27
26.00
2.00
55.27

30.80
11.55
42.35
84.70

150.00
73.00
77.00
25.00
52.00

868.64
261.20
166.50
1296.34

22.05
58.80
80.85

385.00
75.00
222.40
90.52
27.27
800.19
36.26
763.93
42.35
721.58
26.1[illegible]
747.[illegible]

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य विभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पादरी – – – – – – – – – – – –

जी० ई० एल० चर्च, – – – – – –

प्रिये पादरी भाई ____________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भाव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलियै धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिंह
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस बर्ष हमारी पेरिश – – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – – – – – – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में – – – – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो वो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

(पादरी की सही) ।

Bill for February 1973

	Dr. Singh	Rev. Soy	driv. Expns	Total
Sal.	385.00	200.00	150.00	735.00
All.	75.00	—	—	75.00
TA	617.92	—	—	617.92
Conv.	—	8.15		8.15
P.F	30.80	16.00	12.10	58.80
Pen.F.	11.55	6.00	4.50	22.05
Jeep.	223.10	—	—	223.10
medi	103.28	—	—	103.28
miscl.	1064.23	—	—	1064.23
	2510.88	230.15	166.50	2899.38
Less.	84.70		less 33.00	8.15
	2426.18		133.50	2907.53
HR.	25.00		Al 80.00	
	2401.18		53.50	
Ele.	15.11		HR. 3.00	
	2386.07		50.50	

2468.53
82.46
2386.07

40.11
42.35
82.46

166.50
33.00
133.50
83.00
50.50
3.00
50.50

82.46

2468.53
40.11
2428.42
42.35
.07

Carbon: 528, 530, 532, 534, 539, 552, 555, 695, 555, 427A, 397, 365, 362, 351, 481A, 819, 445, 485

Total 42 copies

Page No.	Copy
343	1
362	
328	1
327	1
326	1
325	1
324	1
323	1
322	1
321	1
320	1
319	1
318	1
~~316~~	
315	1
314	1
313	1
310	1
307	1
303	1
295	1
294	1
285	1
278	1
271	1
269	10
268	1
267	1
264	1
263	1
~~258~~	
257	1
256	1
233	1
222	1

सुसमाचार - प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में

पाद्री ------------

जी० ई० एल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ________

आप को यीशुसहाय । गत वर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया - स्थापना तथा सुसमाचार - प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का

सी. के. पॉल सिंह

(सी० के० पौल सिंह)

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटरी, बी० इ० एल० ।

--------------- यहां से काटें ---------------

इस वर्ष हमारी पेरिश की ------- मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी ------ जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में ---- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____

(पाद्री की सही) ।

BEL Central
Bill for January 1973.

	Sif	Sng.	Tofsro	Total
Salary	385/-	200/-	150/-	735.00
All.	75/-	–	–	75.00
T.A.	17[illegible]26	–	–	173.26
Conv.	[illegible]	1/75	–	1.75
P.F.	30/80	16/-	12/-	58.80
Pen.F	11/55	6/-	4/50	22.05
Jeep.	927/04	–	–	927.04
Medical	68/21	14/30	–	82.51
Miscellaneous	87/16	133/70	–	~~189.86~~ 220.86
	1758.02	+ 371.75	+ 166.50	= 2296.27

1758.02
371.75
166.50
2296.27

[signature]
29/1/73

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से – परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से – हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुच्छ किया दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये – परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । अत: आज जब हम मिशन पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात की भी ख्याल [illegible] चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को [illegible] और भी अधिक सच्चाई [illegible] और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचा[illegible]चार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाएं जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।.

आमीन ।

सी के पौल सिंह

475, Cat. N. Sandiguria
G. E. L. Church
Baithabhanga
P.O. Ghoramari
Darrang | Assam.

477, Dharmprakash Asur
G. E. L. Church
Bordicorai
P. O. Ranga chakua
Dist Darrang | Assam

478, Cat. Kushal Asur
G. E. L. Church
Bor-Dicorai
P. O. Range-chakua
Dist - Darrang | Assam

410, Mr. Earnest David Arohan
Alkarsanpur Purulia
Willcox Road - 1
Purulia

577, Rev. John Maraiya
at & P.O. Rajabari
via - Titabar Borhulla
Sibsagar / Assam.

517, Mr. B. J. Areya
Thana Road, Namrup
P.O. Sarbatpur
Dist — Dibrugarh / Assam

548, Cate. Johannes Malgandi
Vill. Hatghamaria
C/o. Mr. J. M. Kullu, D.V.C.
Dist — Singhbhum.

636, Gossner Theological College
Ranchi.

i -

545, Cate. William Tao[illegible]
G.E.L. church Sar[illegible]h
P. O. Kendadih
Dist — Singhbhum

G
Hans -
Hospital -
Headmaster -
Soymurum -
Bodra -
Bor -
Dhanwar -
Dhan -
Sihan -

Kiro - Tirkey
Jaria - Tutti -
~~Kerma~~
~~Nag~~ - U
V - Verma
Oreya - W -
Philip - X -
Y -

सुसमाचार – प्रचार एवं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेररी
रेभ० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० एल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री – – – – – – – – – – – –
जी० ई० एल० चर्च, – – – – – – –

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस **वर्ष** भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की एक प्रति भी भेजें । इस बर्ष की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह एतवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युवती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पॉल सिं
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर एवं सेक्रेटेरी, बी० इ० एल० ।

– – – – – – – – – – – – – – – – यहां से काटें – – – – – – – – – – – – – – – – –

इस ब[illegible] हमारी पेरि[illegible] – – – – – – – मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – –[illegible] – जमा हुई और – – – – – – (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० में [illegible] – – जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में एक तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० – – – – – – –

____
(पाद्री की सही) ।

625, Mr, Sharan Topno (Teacher)
at - Ghumsera Korkotoli
P.O. Kumhari
Dist —— Ranchi

635, Mr, Sawan Topno
Serampur college hostel
Room no-60
Serampur
Hooghly / W.B.

452, Mr, P. S. Topno
Indian Aluminium Co. Ltd.
P.O. Lohardaga
Dist —— Ranchi

~~Taown — 545.~~

Others

404. Miss, Nallishary Narjary
goss. B B P S Kendar, G.E.L.C.
at & P.O. Govindpur
Dist —— Ranchi

460, Cal: C.K. Napadgara
vill. Kulda
P.O. Bandgaon
Dist —— Ranchi

403, Mr, Paulus Gagrai
At - Nalti
P.O. Kharaikela
Dist —— Singhbhum

413, Mr, Samuel Purnoria
Willcox Road,
Purulia / W.B.

119, Pastor, Dieter Hecker
G.E.L. church,
Ranchi

459, Cal. S. [illegible] Shah
G.E.L. C[illegible]
Hosmodi [illegible] Numia
P.O. Serkabad
Dist — Purulia / W.B.

426, Jakaria Hobbo
vill. Karbira
P.O. Bansjor
Dist —— Ranchi

465, Dr, T. C. Dell
6901 Nussloch
Hafaecker 14
W. Germany.

92

मिशन पर्व्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश ।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यबाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें ।

पौलस प्रेरित की तरह(२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरिके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की । सुसमाचार प्रचार का प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है । आज के उपदेश बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है । जब हम इसमें दृढ़ रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं । सच्च कहा जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी से - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे । जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के अनुग्रह में भी सहभागी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभिन्नता व विरोधता की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी ।अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों केलिये आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें । हम बीते बर्ष सुसमाचार प्रचार के निमित बहुत कुछ किया - दान बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर साक्षी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है । हमें इस बर्ष और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ ई० न केवल ओटोनोमी स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी तरह १९७० ई० भी सुसमाचार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की फेडरेशन की घोषणा है, परन्तु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया गया है । [illegible] जब हम [illegible]शन पर्व्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो हमें इस बात को भी [illegible] चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को [illegible] और भी अधिक सच्च[illegible] और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें । अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचा[illegible]प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी ही बन कर रहे हैं । अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर के इस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाएं जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे । इसके निमित यीशु खृष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे ।

आमीन ।

सी के पौल सिंह

Toppo

322, Mr. David Toppo
at & P.O. Sikriadar
Dist — Ranchi

367, Rev. M. Toppo
G.E.L. church, Sikwar
P.O. Bargaon
Dist — Ranchi

491, Rev. Suresh Toppo
G.E.L church
Pathakhudwa
Ranchi

562, Cat. Jaijit Toppo
G.E.L. church
Bargaon Bamdoli
P.O. Bargaon via Sisai
Dist — Ranchi

572, Mr. N. Toppo
Gua Ore mines
P.O. Gua
Dist — Singhbhum

631, Mr. Premoday Toppo
N.C.D.C Gorbi
P.O. ~~Sing~~ Singrauli
Dist — Sidhi / M.P.

575, Mr. J. W. Toppo
Excise S.I.
Durhara Patratu
Dist — Hazaribagh

No. 4236046
580, Hav. Prabhudayal Toppo
Sainik School Tilaiya
Tilaya Dame.
Hazaribagh.

589, Cat. A. M. Toppo
G.E.L. Church Singhani
Hazaribagh.

591, Mr. C.D. Toppo
G.E.L church Kitadih
P.O. Kitadih
via — Telanagar
Dist — Singhbhum

598, Cat. Yakub Toppo
Kerea Girja Toly
P.O. Keree
Dist — Ranchi

612, Mr. Johan To[illegible]
Vill. Jarhu[illegible]
P.O. Rangarh
Daltonganj / Palamau

619, Mr. Joseph Toppo Ve
at — Parrashala
P.O. Rangat
M/ Andamans

— 56

सुसमाचार –प्रचार स्वं साहित्य बिभाग ।

डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी
रेव० डा० सी० के० पौल सिंह

जी० ई० स्ल० चर्च, रांची ।

पत्र क्रमांक

ता० २७ । ८ । १९६६

सेवा में
पाद्री ------------
जी० ई० स्ल० चर्च, ------

प्रिये पाद्री भाई ______________

आप को यीशुसहाय । गत बर्षों सा इस वर्ष भी २ री नोबेम्बर १९६६ को हमारी सारी कलिसिया में मिशन पर्व्व मनाया जाय । अत: इसके निमित आप भी अपने पेरिश की सब मंडलियों के लिये सूचना भेजें । साथ ही साथ डाईरेक्टर के सन्देश की स्क प्रति भी भेजें । इस बर्षा की पंजिका में २री नोबेम्बर ऐसा नहीं दिखाया गया है, परन्तु यह स्तवार दिन पड़ता है, अत: सम्भव हो तो इसी दिन(सुभीते के अनुसार दूसरा दिन भी हो सकता है) मिशन-पर्व्व मनाया जाय, यह दिन कलिसिया – स्थापना तथा सुसमाचार – प्रचार केलिये धन्यबाद वा आनन्द का दिन होवे, इस दिन, सुभीते के अनुसार विशेष जलसा हो, धन्यबाद दान भी लिया जाय । शाम को सुसमाचार-प्रचार सम्बन्धी नाटक या निकटवर्ती गांव में साक्षी का भी प्रबन्ध हो । भाषण या उपदेश के लिये अतिथि बुलाये जायें या स्थानीय अनुभवी बुजुर्ग या उत्साही जवान युबती अर्जी किये जाएं । मिशन पर्व्व का रिपोर्ट डाईरेक्टर के पास जितना जल्द हो सके भेजें ।

प्रभु में आप का
सी. के. पौल सिं
(सी० के० पौल सिंह)
डाईरेक्टर स्वं सेक्रेटरी, बी० इ० स्ल० ।

------- यहां से काटें ------------------

ो ------मंडलियों में मिशन पर्व्व मनाया गया । कुल आमदनी – – जमा हुई और ------ (कहां ?) सेन्ट्रालाइज की गयी । १९६६ ई० मे -- जन धर्मखोजक बपतिस्मा पाये ।

(बिस्तार रिपोर्ट हो तो अलग कागज में स्क तरफ लिखें जो घरबन्धु केलिये दिया जा सके)

ता० -------

____
(पाद्री की सही) ।

458, Mr. P.C. Topno
St. No. 70, Qr. No. 4A, SPN
at- & P.O. Chittranjan
Dist — Burdwan | W.B.

460. Mr, S.P. Topno
at- & P.O. Jashpurnagar
Dist - Raigarh | M.P.

~~478~~ 471, Mr. Eliazar Topno
Qr. H 269
at- & P.O. Brajrajnagar
Dist — Sambalpur | Orissa

473, Mr, Harsho Topno
at - Jarakudar
P.O. Birkera
Dist — Sundargarh | Orissa

479, Cat. Jusaph Topno
Bor - Dicorai Basti
P.O. Rangachakua
Dist — Darrang | Assam

489, Mr, Nehemia Topno
Vill. Turigara
P.O. Marcha
Dist — Ranchi

493, Cat. A.M. Topno
G.E.L. Church Huldibari
T.E.
P.O, Biraguri
Dist - Jalpaiguri W.B.

~~508, Shri, S. Topno~~
~~Gua Hospital~~

Mr, K.A. Rejan Topno
Camp Baroinyal No. 6
519, P.O. Long Island
Middle Andaman

16 R/22 C.S. Topno
511, T. No. 1875/2243
B.W.S (Gate) Dept.
I S & W.P. Ltd.
P.O. Indranagar
Dist — Singhbhum.

509, Mr, Dalan Topno (Local)
G.E.L. Church
Ranchi

544 Mr, Pius Topno
Manoharpur
P.O. Manoharpur
Dist — Singhbhum, Bihar

549 Cat. Prabhu [illegible]
G.E.L. Church
P.O. Sonu[illegible]
Dist — [illegible]

553, ~~Sister~~ Susri, [illegible]
Martha - Mariam S.S. Centre
at - Kendughati
P.O. Saraigarh
Dist — Sundargarh / Orissa

558, Mr, Anand marsh Topno
Light Rly. Siding.
at- & P.O. Manoharpur
Dist — Singhbhum.

76

मिशन पर्व (१९६९) के शुभावसर पर

डाईरेक्टर (पा० डा० सी० के० पौल सिंह) का सन्देश।

प्यारे मसीही भाइयो तथा बहनो,

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं, उसकी सारी दयाओं, आशीषों व सहायताओं के निमित कि हम अपनी मंडली व कलिसिया में दृढ़ रह सकें और दूसरों तक उसकी महिमा पहुंचा सकें, उसका सुसमाचार सब जातियों के बीच प्रचार कर सकें।

पौलस प्रेरित की तरह (२ री नोबेम्बर के उपदेश बचन : फिलि० १: ३-११) में आप सब ही भाई-बहनों को धन्यबाद देता हूं जिन्होंने अपनी जगह में अपने ही तरीके से अपना धन और समय देकर मसीह के सुसमाचार को प्रचार किया और प्रचार करने में सहायता की। सुसमाचार प्रचार काम प्रत्येक मसीही के बीच विशेषाधिकार है जो मसीह के सर्वाधिकार पर आधारित है। आज के उपदे[illegible] बचनानुसार तो सुसमाचार प्रचार में ही मसीही भाई-बहनों की सहभागिता है। जब हम इसमें [illegible] रहते हैं और बढ़ते हैं तो हम एक दूसरे के साथ परमेश्वर के अनुग्रह में सहभागी होते हैं। सच्च का[illegible] जाय तो हम इसी उपाय से - परमेश्वर के सुसमाचार प्रचार में और उसके अनुग्रह में सहभागी [illegible] - हम प्रेम और ज्ञान में सारे विवेक सहित बढ़ते जाएंगे। जब हमारे जीवन में सांसारिक भोग बिलास, पद, पैसे की प्रधानतादि के द्वारा हमारा ध्यान सुसमाचार से और उसके प्रचार कार्य से हटाया जाता है तो हमारी आपसी सहभागिता भी हटायी जाती है, इतना ही नहीं, हम [illegible]मेश्वर के [illegible] भी [illegible]गी नहीं हो सकते हैं और प्रेम और ज्ञान के बदले नाशकारी विभि-न[illegible] विर[illegible] की मूर्खता ही हमारे बीच राज्य करेंगी। अत: हम सब ही मसीही भाई-बहनों [illegible] आवश्यक है कि हम सुसमाचार के कारण ठोकर न खायें, न किसी को ठोकर दें। जहां तक बन पड़े अपने तन,मन,धन, व जन से सुसमाचार प्रचार के हेतु काम करें। हम बीते बर्ष सुसमाचार प्र[illegible] के निमित बहुत कुच्छ किया - दाम बढ़ाये, बिन्ती किये, जाकर सादी दिये - परन्तु इतना यथेष्ट नहीं है। हमें इस ब[illegible] और आने वाले बर्षों में भी इस काम को करने में आगे बढ़ते जाना है, १९६९ई० न केवल ओटो[illegible] स्वर्ण जुबिली बर्ष है, परन्तु यह बर्ष सुसमाचार-प्रचार-बर्ष भी है, इसी[illegible] [illegible]चार-प्रचार-बर्ष है, यह हिन्दुस्तान की लुथेरन कलिसियाओं की [illegible] [illegible]नु हमारे कलिसिया के भाई-बहनों को यह अब तक सूचित नहीं किया [illegible] [illegible] पर्व के नाम धन्यबाद, प्रार्थना और आत्म समर्पण करते हैं,तो [illegible] इस[illegible] का [illegible] चाहिये कि ओटोनोमस कलिसिया का अंग होकर इसकाम को [illegible] और भी अधिक सच्च[illegible] और एक दूसरे को इस काम केलिये चलावें। अब तक हमारी गोश्नर गोश्नर कलिसिया के सुसमाचा-प्रचार-काम केलिये दूरदेशीय मसीही भाई बहन ही अधिक भार उठाते आये हैं, हम सिर्फ सहयोगी हो बन कर रहे हैं। अब तो हमें इस काम केलिये जागना और जगाना है ताकि हम भी परमेश्वर केइस बड़े काम को करके उसके सहकर्मी हो सकें और उसके द्वारा उस धार्मिकता के [illegible]से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपुर होते जाए जिससे परमेश्वर की ममिा और स्तुति हो[illegible] रहे। इसके निमित यीशु ख्रीष्ट ही जो हमारे संग सदैव रहता है, बुद्धि, बल, उत्साह देवे।

आमीन।

सी० के० पौल सिंह